RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

चेतना मंच

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

वर्ष : 27 | अंक : 70 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 01 मार्च, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

चमोली में 'मिशन जिंदगी' जारी

बर्फ के नीचे अभी भी दबे हुए हैं 8 मजदूर

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में एवलांच को आए 24 घंटे से ज्यादा हो गए. अभी भी 8 मजदूर फंसे हुए हैं। 47 मजदूरों का रेस्क्यू कर लिया गया है। बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन प्रोजेक्ट में कुल 57 लोग काम कर रहे थे, जिसमें से दो लोग छुट्टी पर थे। ये सभी एवलांच की चपेट में आ गए. हालांकि 47 लोगों को निकाल लिया गया है लेकिन 8 अभी भी फंसे हुए हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेस्क्यू अभियान को लेकर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से बात की। इस हादसे में उत्तर प्रदेश के मथुरा शहर के भी मजदूर शामिल हैं।

फंसे मजदूरों का रेस्क्यू करने के लिए सेना, ITBP, BRO, SDRF और NDRF की टीम ऑपरेशन कर रही है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

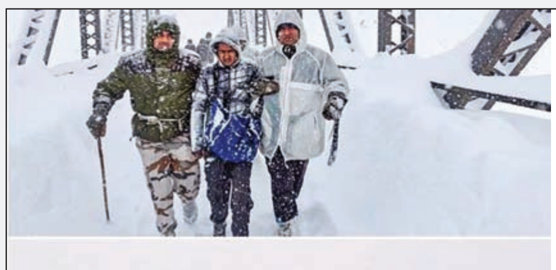

गुस्से में ट्रंप, यूक्रेन की आर्थिक व सैन्य मदद रोकी

वार्ता के दौरान जेलेंस्की और ट्रंप में हुई थी तीखी बहस

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वॉशिंगटन में अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की की हुई मुलाकात के दौरान हुई बहस के बाद दुनिया में हलचल है। व्हाइट हाउस में हुई इस वार्ता के दौरान दोनों के बीच तीखी बहस हुई जिसने सभी को हैरान कर दिया। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच इस बहस ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस घटना के बाद कड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने यूक्रेन को दी जा रही आर्थिक और सैन्य मदद बंद कर दी है। व्हाईट से बयान आया है कि अब अमेरिका यूक्रेन के साथ मिलकर नही लड़ेगा।

पूरे घटनाक्रम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार रात (28 फरवरी) को फ्लोरिडा के पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से सीधे अपने मार-ए-लागो आवास की ओर रवाना हो गए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा में भी लाई जाए पीएम व सीएम आवास योजना : पंकज सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में भी प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री आवास योजना को लाया जाए ताकि नौकरीपेशा तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग अपने आशियाने के मालिक बन सकें। यह आवाज बुलंद की नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने।

लखनऊ में विधानसभा में नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज सिंह ने कहा कि नोएडा की आबादी बढ़ रही है। मंहगाई भी बढ़ रही है। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर लोग महंगे मकान या फ्लैट नहीं खरीद सकते हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हिंडन एयरपोर्ट से दूसरे शहरों के लिए उड़ान शुरू

केन्द्रीय मंत्री ने गोवा की पहली फ्लाईट को दिखाई झंडी

गाजियाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने आज

गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से गोवा के लिए फ्लाईट को हरी झंडी दिखाई। इस पहली फ्लाईट में गाजियाबाद के जनप्रतिनिधियों और भाजपा के वरिष्ठ नेता फ्लाईट से गोवा गए हैं। इस टूर को यादगार बनाने के लिए गाजियाबाद से सांसद अतुल गर्ग के नेतृत्व में गाजियाबाद से गोवा की पहली फ्लाइट में भाजपाई गए हैं।

इस मौके पर, केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने फ्लाइट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हिंडन एयरपोर्ट पर सर्व व्यवस्था प्रमुख के रूप में सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल उपस्थित थे। गोवा टूर की पूरी टीम सुबह 7:30 बजे हिंडन एयरपोर्ट पर पहुंची, जहां उनका स्वागत सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल और अन्य अधिकारियों ने किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू के आगमन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बस ने राहगीर को कुचला

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के खोड़ा तिराहे पर तेज गति में जा रही बस ने राहगीर को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल राहगीर ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

अर्चना एनक्लेव खोड़ा कॉलोनी निवासी सोनिया सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 28 फरवरी की सुबह उसके पिता रामप्रवेश सिंह किसी घरेलू कार्य से बाहर जा रहे थे। वह जैसे ही खोड़ा तिराहे मुर्गा मंडी के पास पहुंचे तो तेज गति में आ रही बस के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में उसके पिता राम प्रवेश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की मदद से रामप्रवेश सिंह को सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर देखकर चिकित्सकों ने उन्हें दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस में बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

महिला के साथ गाली-गलौज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2क्षेत्र में अपने बेटे की स्कूल की फीस भरने जा रही महिला के साथ चार लोगों ने गाली गलौज व मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़िता के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

एच्छर सब्जी मंडी निवासी अभय कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी माताजी सुनीता 26 फरवरी की सुबह आर्य व्रत स्कूल में फीस भरने के लिए जा रही थी। इस दौरान मनीष, सतेंद्र, रवि ने उसकी मम्मी को रास्ते में रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मकान का सौदा कर फंसाया, हड़पे 40 लाख

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मकान बेचने के नाम पर 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ थाना बीटा-2 में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उसके पैसे हड़प लिए हैं और मकान की रजिस्ट्री नहीं कर रहे हैं। आरोपी उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दे रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा-1 में रहने वाले चंदन सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि साइट 5 स्थित हाउसिंग सेक्टर में उसने मधु सक्सेना पत्नी स्व नवीन चंद्र सक्सेना से 12 अक्टूबर 2021 को उनके मकान का सौदा 40 लाख रुपए में किया था। मकान का सौदा तय होने पर उसने 50 हजार रुपए बतौर एडवांस दे दिए थे। मकान का सौदा करते समय मधु सक्सेना का पुत्र श्रवण कुमार, पुत्री राखी साहनी, मीनाक्षी सक्सेना व दामाद तरुण साहनी भी मौजूद थे। 6 दिसंबर 2021 को उसने सौदे के अनुसार कुछ पैसे नगद तथा कुछ पैसे खाते में ट्रांसफर किए थे। 29 अप्रैल 2022 को मकान की बिक्री का एग्रीमेंट कराया गया। इस दौरान उसने 10 लख रुपए नगद मधु सक्सेना व उसके परिजनों को दे दिए। पीड़ित के अनुसार उसने धीरे-धीरे 31 लाख 67 हजार रुपए अदा कर दिए और मकान की रजिस्ट्री करने को कहा। इस पर मधु सक्सेना के परिजनों ने कहा कि उनके मकान पर लोन है जब तक वह लोन क्लियर (शेष पृष्ठ-3 पर)

मारीपत- चिपियाना के बीच बंद रहेगा रेलवे फाटक

ग्रेटर नोएडा। उमरे दादरी के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि मारीपत- चिपियाना रेलवे स्टेशन के मध्य स्थित फाटक संख्या 151/बी पर बीसीएम मशीनों द्वारा कार्य किए जाने हैं, जो रेल की संरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक है। इस कार्य के कारण 02 मार्च 2025 की सुबह 8 बजे से 05 मार्च 2025 की शाम 06:00 बजे तक रेलवे फाटक बंद रहेगा। इस संबंध में उन्होंने आम नागरिकों का आह्वान किया है कि इस मार्ग से जाने वाले नागरिक फाटक संख्या 151/भी बंद होने की अवधि के दौरान फाटक संख्या 150/सी अच्छेजा का उपयोग कर सकते हैं।

लॉ कॉलेज के प्रोफेसर ने मालिक पर लगाया धमकाने का आरोप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बिलासपुर स्थित रामकली कॉलेज ऑफ लॉ में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर ने कॉलेज मलिक के खिलाफ थाना दनकौर में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि कॉलेज मलिक कॉलेज से निकालने तथा वेतन न देने की धमकी देकर उसे प्रयागराज उच्च न्यायालय में विचाराधीन रिट की पैरवी करने का दवाब बना रहा है। विरोध करने पर कॉलेज मलिक ने उसके साथ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया।

रामकली कॉलेज ऑफ़ लॉ में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर विधि मनीष कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कॉलेज के मालिक मनोज भारद्वाज ने वर्ष 2018 में सुमित अग्रवाल को विश्वविद्यालय व बार काउंसिल आफ इंडिया के नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध तरीके से एडमिशन दिया। सुमित ने प्रयागराज स्थित उच्च न्यायालय में कॉलेज के खिलाफ एक रिट दाखिल की थी। कॉलेज के मालिक मनोज भारद्वाज ने उस पर रिट की पैरवी करने के लिए दबाव बनाया। रिट की पैरवी न करने पर मनोज भारद्वाज ने उसे कॉलेज से निकालने व वेतन ना देने की धमकी दी। इस पर वह तीन बार प्रयागराज जाकर न्यायालय में उपस्थित हुआ। चौथी बार जब उसे फिर प्रयागराज जाने के लिए कहा गया तो उसने इनकार कर दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

महाकुंभ में गया था परिवार चोरों ने घर में लगाई सेंध

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। परिवार सहित महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए एक व्यक्ति के घर में चोरों ने सेंध लगा दी। चोरों ने घर से लाखों रुपए के जेवरात व अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित ने थाना बीटा-2 में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गामा-2 सेक्टर में रहने वाले अखिल वशिष्ठ ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 20 फरवरी को वह अपने परिवार के साथ प्रयागराज में लगे महाकुंभ में स्नान के लिए गए थे। 23 फरवरी को जब वह परिवार सहित घर वापस आया तो उसे ताला टूटा और दरवाजा खुला हुआ मिला। चोर उनके घर से सोने के

दो कड़े, तीन चेन, एक मंगलसूत्र, चार पायल, बच्चों के चांदी के बर्तन व अन्य कीमती सामान को चोरी कर ले गए थे।

उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पोलीथीन बैग का इस्तेमाल हुआ तो लगेगा मोटा जुर्माना

आज से लागू हो गया पॉलिथीन के खिलाफ अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में यदि 120 माइक्रोन्स से कम मोटाई की पोलीथीन बैग का इस्तेमाल किया तो आपको मोटा जुर्माना भरना पड़ेगा। यह आदेश जारी किए नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एस.पी. सिंह ने।

जारी आदेश में एस.पी. सिंह ने बताया कि आज से यानी 01 मार्च से यह आदेश लागू कर दिया गया है। यदि किसी भी स्थान पर 120 माइक्रोन से कम मोटे पोलिथीन की आपूर्ति, भंडारण, बिक्री तथा उपयोग पाया गया तो उस पर 5000 रूपये तक का जुर्माना थोपा जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपी इंडस्ट्रियल एरिया डवलपमेंट एक्ट के तहत नोएडा प्राधिकरण ने यह आदेश लागू कर दिया है। इसके लिए हर वर्क सर्किल को निर्देश दिये गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इसके खिलाफअभियान शुरू करें। उन्होंने कहा कि इस आदेश

का समूचे नोएडा में कड़ाई से पालन किया जाए तथा उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाए।

गेल अपार्टमेंट के गार्ड से मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 स्थित गेल अपार्टमेंट में कार्यरत सिक्योरिटी गार्ड ने एक रेजिडेंट्स के खिलाफ गाली गलौज व मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना सेक्टर-58 पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोविंदपुरम गाजियाबाद निवासी उदित चिकारा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर-62 स्थित गेल अपार्टमेंट में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत है। 26 फरवरी को वह अपार्टमेंट के एंट्री गेट पर तैनात था। इस दौरान एक विजिटर मुख्य द्वार पर पहुंचा और गलत एंट्री करने की कोशिश करने लगा। उसने जब विजिटर से फ्लैट का पता पूछा तो वह नंबर नहीं बता पाया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

घर से बिना बताए चली गई किशोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-5 स्थित जे जे कॉलोनी झुग्गी बस्ती से एक (17 वर्षीय) किशोरी घर से बिना बताए चली गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर-5 स्थित जेजे कॉलोनी की झुग्गी बस्ती में रहने वाले फुरकान (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 30 जनवरी को उनकी बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

सफल महाकुंभ

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगायी। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल-कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने-जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस-अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चौंकाता है। जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग-संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया। जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी-पत्री के स्वतस्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग-परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी-विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। वीरवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि ये सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था। इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निस्संदेह, इतने बड़े जनसैलाब को संभालना किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। लेकिन भविष्य में महाकुंभ के आयोजन के लिये प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सबक लेने की जरूरत है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ- तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है। दिल्ली रेलवे स्टेशन का हादसा इसका ज्वलंत उदाहरण है। महाकुंभ के सफल आयोजन ने बताया है कि देश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। देश में महाकाल कोरिडोर व काशी कोरिडोर की तर्ज पर चारों कुंभ स्थलों पर संरचना निर्माण की दिशा में सोचा जाना चाहिए। प्रयागराज महाकुंभ से प्रेरित होकर महाराष्ट्र सरकार ने नासिक में 2027 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों की शुरुआत कर दी है। बहरहाल, महाकुंभ को सामाजिक समरसता के उत्सव के रूप में भी याद किया जाएगा, जहां जाति, धर्म, क्षेत्र व भाषा की वर्जनाएं टूटती नजर आई। महत्वपूर्ण यह भी कि तीर्थयात्री तमाम कष्टों को सहते हुए सनातन संस्कृति में अटूट आस्था दिखाते रहे। महाकुंभ के समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का झाड़ू लेकर सफाई में जुटना और सफाईकर्मियों के बीच अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भोजन करना एक प्रशंसनीय प्रयास हैं। वहीं कुंभ आयोजन की रीढ़ रहे पुलिसकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों, रोडवेज कर्मियों, सफाईकर्मियों को बोनस, छुट्टी और स्मृतिचिन्ह व प्रशस्ति-पत्र देना एक अनुकरणीय पहल है। इससे ऐसे आयोजनों के लिये नई ऊर्जा मिलेगी।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि नारद मुनि की (यह तपोमयी) स्थिति देखकर देवराज इंद्र डर गया। उसने कामदेव को बुलाकर उसका आदर-सत्कार किया (और कहा कि) मेरे (हित के) लिए तुम अपने सहायकों सहित (नारद की समाधि भंग करने को) जाओ। (यह सुनकर) मीनध्वज कामदेव मन में प्रसन्न होकर चला॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुनासीर मन महुँ असि त्रासा। चहत देवरिषि मम पुर बासा॥
जे कामी लोलुप जग माहीं। कुटिल काक इव सबहि डेराहीं॥

इन्द्र के मन में यह डर हुआ कि देवर्षि नारद मेरी पुरी (अमरावती) का निवास (राज्य) चाहते हैं। जगत में जो कामी और लोभी होते हैं, वे कुटिल कौए की तरह सबसे डरते हैं॥

दो0-सूख हाड़ लै भाग सठ स्वान निरखि मृगराज।
छीनि लेइ जनि जान जड़ तिमि सुरपतिहि न लाज॥

जैसे मूर्ख कुत्ता सिंह को देखकर सूखी हड्डी लेकर भागे और वह मूर्ख यह समझे कि कहीं उस हड्डी को सिंह छीन न ले, वैसे ही इन्द्र को (नारदजी मेरा राज्य छीन लेंगे, ऐसा सोचते) लाज नहीं आई॥

तेहि आश्रमहिं मदन जब गयऊ। निज मायाँ बसंत निरमयऊ॥
कुसुमित बिबिध बिटप बहुरंगा। कूजहिं कोकिल गुंजहिं भृंगा॥

जब कामदेव उस आश्रम में गया, तब उसने अपनी माया से वहाँ वसन्त ऋतु को उत्पन्न किया। तरह-तरह के वृक्षों पर रंग-बिरंगे फूल खिल गए, उन पर कोयलें कूकने लगीं और भौंरे गुंजार करने लगे॥

(क्रमशः...)

मोदी का मोटापामुक्त भारत: स्वास्थ्य-क्रांति का आधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने शासन में भारतीय लोगों के स्वास्थ्य को लेकर निरन्तर कदम उठाते हुए स्वस्थ भारत निर्मित करने के उपक्रम किये हैं। विकसित भारत-नये भारत-सशक्त भारत का आधार स्वस्थ भारत ही है। मोदी युग ने स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित करते हुए मोटापे से जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने और मोटापे को नियंत्रित पर अधिक ध्यान दिया गया। मोदी ने मोटापे के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जिसमें भारतीयों से अपने खाना पकाने के तेल की खपत को कम करने का आग्रह किया। मोटापा कई जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, जैसे दिल की बीमारी, टाइप 2 डायबिटीज, स्ट्रोक, सांस लेने में समस्याएं और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसे चिंता, तनाव और अवसाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी को मन की बात के 119वें एपिसोड में हेल्थ का जिक्र करते हुए कहा था, एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। मोटापे को नियंत्रित करने की मुहिम एक सामयिक एवं सराहनीय कदम होने के साथ स्वास्थ्य-क्रांति का आधार है।

प्रधानमंत्री ने सेहत के प्रति जागरूकता लाने और इस क्रम में मोटापे से लड़ने के लिए अपने-अपने क्षेत्र के दस जाने-माने लोगों को नामांकित कर यही रेखांकित किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझने एवं समय रहते इसको नियंत्रित करने की अपेक्षा है। उन्होंने आनंद महिंद्रा, दिनेश लाल यादव निरहुआ, मनु भाकर, मीराबाई चानू, मोहनलाल, नंदन नीलेकणि, उमर अब्दुल्ला, आर. माधवन, श्रेया घोषाल, सुधा मूर्ति को नामांकित करते हुए यह अपेक्षा जताई कि ये सभी मोटापे के खिलाफ क्रांति की अलख जगाने के साथ खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने इन लब्ध प्रतिष्ठित हस्तियों से दस-दस और लोगों को इसी अभियान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नामांकित करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री की यह पहल कुछ वैसी ही है, जैसी उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को प्रारंभ करते समय की थी। मोदी की मोटापे नियंत्रण से जुड़ी इस जनोपयोगी पहल से देश मे मोटापे के प्रति चेतना जाग्रत होगी और लोग मोटापे को नियंत्रित करने में सफल होंगे।

मोटापा वर्तमान युग की एक व्यापक स्वास्थ्य समस्या एवं एक दीर्घकालिक बीमारी है, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं एवं असाध्य बीमारियों का कारण बन सकती है और आपके जीवन को छोटा कर सकती है। दुनिया भर में मोटापे के शिकार एक अरब से ज्यादा लोगों में 88 करोड़ लोग वयस्क हैं जबकि 15 करोड़ 90 लाख बच्चे हैं। महिलाओं में मोटापा बढ़ने की सबसे तेज़ गति देखने को मिल रही है। आज मोटापा समस्या नहीं महामारी बन गया है। मोटापे ने महामारी का ऐसा रूप धारण किया कि इसने भुखमरी को भी पीछे छोड़ दिया है। भूखमरी से जितनी मौतें होती हैं उससे कई ज्यादा मौतों की वजह अब मोटापा बन गया है। यूएन रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 5 से 9 साल के बीच के 13.1 करोड़ बच्चे, किशोरावस्था वाले 20.7 करोड़ और 200 करोड़ वयस्क लोग मोटापे के शिकार है।

अच्छी सेहत के बिना जीवन का कोई महत्व नहीं है, सेहत ठीक नहीं होगी तो व्यक्ति दुखी, तनावग्रस्त और रोगी बना रहता है। सेहत ही सबसे बड़ा धन है। ये बात जो लोग समझते हैं, वे अपनी सेहत के लिए बहुत सतर्क रहते हैं। अच्छे स्वास्थ्य की सबसे बड़ी बाधा मोटापा है, जब कोई व्यक्ति ऊर्जा के रूप में उपयोग की जाने वाली कैलोरी से अधिक कैलोरी का उपभोग करता है, तो उसका शरीर अतिरिक्त कैलोरी को वसा के रूप में संग्रहीत कर लेता है। इसी से मोटापा पनपता है। शारीरिक श्रम की कमी पेट पर मोटापा जमा होने का एक प्रमुख कारण है। आजकल की जीवनशैली में अधिकतर लोग 9-10 घंटों तक एक जगह बैठकर काम करते हैं और शारीरिक गतिविधि न के बराबर करते हैं। इससे शरीर में जमा हुई अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में कठिनाई होती है और ये कैलोरी मोटापे के रूप में बदल जाती है। तनाव और नींद की कमी भी मोटापा बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल का स्तर बढ़ता है, जो पेट के आसपास चर्बी जमा करने का काम करता है। नींद की कमी से मेटाबोलिज्म पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और शरीर अधिक चर्बी जमा करने के लिए प्रेरित होता है। इसके अलावा, कुछ खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल और पेय पदार्थ-विशेषकर वे जिनमें वसा और शर्करा की मात्रा अधिक होती है-वजन बढ़ने की अधिक संभावना रखते हैं।

लोगों में मोटापा बढ़ने के कई कारण हैं, जिनमें अति भोजन, अहितकर भोजन और प्रतिकूल भोजन के अलावा व्यायाम की कमी और तनाव शामिल हैं। पोषण में सुधार, गतिविधि बढ़ाने और जीवनशैली में अन्य बदलाव करने से लोगों के मोटापे को कम करने में मदद मिल सकती है। मोदी की पहल से मोटापा नियंत्रित करने के अनुकूल परिणाम तभी सामने आ सकते है, इसमें वांछित सफलता तभी संभव है, जब आम लोग यह समझेंगे कि स्वस्थ जीवनशैली उन्नत राष्ट्र ही नहीं, उन्नत स्वास्थ्य का आधार है। आज की सुविधा एवं भौतिकतापूर्ण जीवनशैली मोटापा बढ़ाने का काम कर रही है। अब लोग उतना शारीरिक श्रम नहीं करते, जितना पहले अपनी सामान्य दिनचर्या के तहत किया करते थे। मोटापे को नियंत्रित करने में योग, ध्यान, प्रातःभ्रमण एवं व्यायाम की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। किसी विचारक ने लिखा भी है कि मनुष्य के सबसे बड़े चिकित्सक हैं- शांति, प्रसन्नता और खुराक।' यह हकीकत है कि लोग यदि खानपान में संयम एवं सतर्कता बरतें, शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं और योग-व्यायाम को जीवन का हिस्सा बना लें तो मोटापे को भगा सकते हैं।

मोटापे अनेक बीमारियों का घर है, जो केवल कार्यक्षमता को कम करने का ही काम नहीं करता, बल्कि स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ाता है। जीवन को जटिल एवं अस्तव्यस्त बना देता है। निरोगी लोग किसी भी देश के लिए एक बड़ी पूंजी होते हैं। जब शरीर स्वस्थ रहता है तो लोग मानसिक एवं भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रहते हैं और वे अपना काम कहीं अधिक तत्परता एवं निपुणता से करते हैं। इसका लाभ केवल उन्हें ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और देश को भी मिलता है। यही सशक्त एवं विकसित भारत का आधार भी है। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत को समझा, लेकिन इसके लिए जागरूकता अभियान छेड़ने के साथ ही मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने के लिए भी कुछ करना होगा। मोदी की यह पहल जहां स्वास्थ्य क्रांति का माध्यम बनेगी, वहीं मिलावट नियंत्रण के प्रति भी जागरूकता पैदा करेंगी। यह किसी से छिपा नहीं कि अपने देश में बड़े पैमाने पर मिलावटी और दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री बनती एवं बिकती है। इसमें एक बड़ा हिस्सा उस खाद्य सामग्री का होता है, जो सड़क किनारे की दुकानों पर मिलती है। इस सामग्री में केवल खाद्य तेल की मात्रा ही अधिक नहीं होती, बल्कि वह मिलावटी भी होता है। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी के चलते दोयम दर्जे की खाद्य सामग्री घरों में भी इस्तेमाल होती है। इनमें खाद्य तेल एवं घी प्रमुख है। आज जब बाजार का खाना खाने का चलन बढ़ रहा है, तब सरकार को यह सुनिश्चित करना ही चाहिए कि उसकी शुद्धता एवं गुणवत्ता से कोई समझौता न होने पाए। इसी अभिक्रम से भारत का जन-जन स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ भावनाओं का अखूट वैभव लिये शक्ति, स्फूर्ति, शांति, आनन्द एवं शारीरिक संतुलन से भरपूर दिव्य जीवन की यात्रा के लिये प्रस्थित हो सकता है। इससे हम मोटापा-मुक्त स्वस्थ भारत के संकल्प को हकीकत बना सकते हैं। स्वस्थ भारत का यह संकल्प ही कालांतर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकता है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

बुलेट पर बैलेट की जीत से ही निकलेगा नक्सली आतंक का हल

नक्सलियों के आतंक के गढ़ रहे नक्सली प्रभावित इलाकों में चुनावों के जरिए लोकतंत्र के सूरज का उदय हो रहा है। इससे लोकतंत्र के प्रति भरोसा बढ़ने के साथ ही इसकी जड़ें मजबूत हो रही हैं। भटके हुए युवाओं और डरे हुए ग्रामीणों को समझ में आने लगा है कि सिर्फ लोकतांत्रित तरीके से ही उनकी समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के लिए वोट डाले गए। इस दौरान बस्तर संभाग के सुकमा और बीजापुर जिले के अनेक मतदान केंद्रों पर पहली बार अनेक दशकों के बाद ग्राम पंचायतों में मतदान हुए। इस बार बस्तर में पंचायत चुनावों का नक्सलियों की ओर से कोई विरोध नहीं किया जाना क्षेत्र में 40 से अधिक नई सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सरकार की ओर से ग्रामीणों में विश्वास बहाल करने की रणनीति का परिणाम है।

यह एक ऐतिहासिक बदलाव है और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत को दर्शाता है। राज्य में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, दंतेवाड़ा और गरियाबंद जिलों में और बीजापुर के पुसनार, गंगालूर, चेरपाल, रेड्डी, पालनार जैसे क्षेत्रों में ग्रामीणों ने निर्भीक होकर मतदान किया। गौरतलब है कि बस्तर में नक्सली कमांडर हिड़मा के गांव पूवर्ती में भी इस बार ग्रामीण मतदान के लिए उत्साहित हैं। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के बाद अब पंचायत चुनाव हो रहे हैं। पंचायत चुनावों में ऐसा पहली बार हो रहा है जब नक्सलियों ने इसका विरोध नहीं किया है। राज्य में कमजोर हो रहे नक्सलवाद का यह सबसे बड़ा उदाहरण है।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद से हर बार पंचायत चुनावों में नक्सलियों की तरफ से पोस्टर जारी किए जाते थे लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है जब नक्सलियों ने विरोध नहीं किया। इसके साथ ही स्थानीय लोग भी वोटिंग करने के लिए घरों से बाहर निकले।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद से हर बार पंचायत चुनावों में नक्सलियों की तरफ से पोस्टर जारी किए जाते थे लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है जब नक्सलियों ने विरोध नहीं किया। इसके साथ ही स्थानीय लोग भी वोटिंग करने के लिए घरों से बाहर निकले। इससे पहले नक्सली बस्तर इलाके में वोटिंग करने पर ग्रामीणों को धमकी देते थे। नक्सलियों ने कई बार पोस्टर जारी कर कहा था कि वोटिंग करने वालों की ऊंगलियों को काट लिया जाएगा जिस कारण से ग्रामीण वोटिंग करने के लिए नहीं निकलते थे। इस बार पंचायत चुनाव में ग्रामीणों ने बड़े उत्साह से साथ वोटिंग की है। हार्डकोर नक्सली इलाकों में वोटिंग के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी। हिडमा के गांव में पहली बार वोटिंग छत्तीसगढ़ में तीन चरणों में पंचायत चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। यहां सुरक्षाबल के जवानों के कारण लोग वोटिंग करने के लिए घरों से बाहर आ रहे हैं। बस्तर संभाग के 7 नक्सल प्रभावित जिलों में कुल 1855 ग्राम पंचायतें हैं। लोकतंत्र की बुनियादी विजय पताका के फहरे जाने की वजह यह है कि सुरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों के हार्डकोर इलाके में 40 से अधिक कैंप स्थापित कर लिए हैं। जिस कारण से इन इलाकों में नक्सलियों का प्रभाव कम हुआ है। नए कैंप खुलने के बाद नक्सली पीछे हट गए हैं। वहीं, सुरक्षाकर्मी अब जवानों के गढ़ में घुसकर लगातार कार्रवाई कर रहे हैं जिससे नक्सलियों में खौफ व्याप्त है। यही कारण है कि नक्सलियों ने इस बार इसका विरोध नहीं किया है। सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों के गढ़ में घुसकर कार्रवाई कर रहे हैं। जिस कारण से वह पंचायत चुनाव का विरोध नहीं कर पाए। इससे पहले नक्सली मजबूत होते थे और हमारे सिस्टम पर हमला करते थे लेकिन अब वह लगातार कमजोर हो रहे हैं। अब वह अपना गढ़ बचाने में लगे हुए हैं।

सुरक्षाबल के कैंप स्थापित होने से जो गांव नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हो रहे हैं वहां से लोग सबसे पहले आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनवा कर सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। सरकार की योजनाओं का विस्तार इन इलाकों तक हुआ है। वह मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं। पूर्व में सुरक्षा बलों की कार्रवाई सीधे अबूझमाड़ में नहीं होती थी। जिस कारण से नक्सलियों का गढ़ सुरक्षित था और वह इस तरह की हरकतें करते थें। पंचायत चुनाव के विरोध में पोस्टर लगाते थे और ग्रामीणों को धमकियां देते थे। मौजूदा सरकार की रणनीत से सुरक्षाबल के जवान गढ़ को भी घेर रहे हैं और कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं गढ़ के आसपास भी नक्सलियों पर हमले हो रहे हैं जिस कारण से नक्सली बैकफुट पर आ गए हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहा कि इस बार बस्तर में पंचायत चुनावों का नक्सलियों की ओर से कोई विरोध नहीं किया जाना क्षेत्र में 40 से अधिक नई सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सरकार की ओर से ग्रामीणों में विश्वास बहाल करने की रणनीति का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के मुताबिक मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार बस्तर के नागरिकों को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जोडने के लिए संकल्पित है। बस्तर में सड़कें, पुल, स्कूल, अस्पताल और रोजगार परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे ग्रामीणों का शासन और लोकतंत्र पर विश्वास बढ़ा है। सुरक्षा बलों ने नक्सली आतंक के साए को खत्म करके वोटों के जरिए लोकतंत्र की बुनियाद आतंक प्रभावित क्षेत्रों में रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में भी सुरक्षाबलों ने बीते दिनों 31 नक्सलियों को मार गिराया। साल 2025 में 40 दिनों के अंदर अब तक कुल 81 नक्सलियों का खात्मा किया गया। साल 2024 में 239 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया था, वहीं साल 2023 में 24 नक्सली, 2022 में 305 नक्सली हमले हुए थे, जिसमें 10 जवान शहीद हुए थे और 31 नक्सली ढेर हुए थे। वर्ष 2021 में 48 नक्सली, 2020 में 44 और वर्ष 2019 में 79 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया था। केंद्र और राज्य का लक्ष्य है कि 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलियों से मुक्त कराना है। बचे हुए भटके नक्सलियों के पास अब भी मौका है अपनी मांगों को मनवाने के लिए बंदूक की हठधर्मिता का रास्ता छोड़ कर लोकतंत्र के रास्ते विकास का सफर तय करें, अन्यथा सुरक्षा बलों के पास सशस्त्र कार्रवाई करने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं होगा।

- योगेन्द्र योगी

राशिफल

फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
स्वास्थ्य नरम-गरम है। प्रेम, संतान का भरपूर सहयोग मिलेगा। व्यापार भी बहुत अच्छा रहेगा।

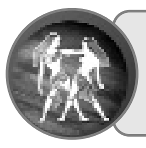

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

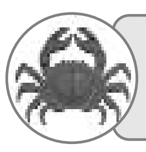

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
नौकरी-चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी है। स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा है। बाकी प्रेम,संतान थोड़ा मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर हावी रहेंगे। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आर्शीवाद रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम।

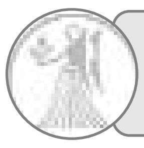

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुक मन से लिया गया निर्णय नुकसान करेगा। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक के रखें। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

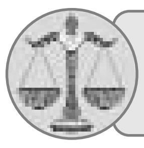

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी के प्रबल योग बनेंगे। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान का साथ है।

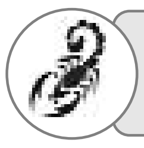

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार बहुत अच्छा।

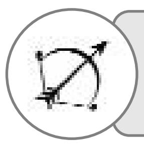

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
भाग्यवान बने रहेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है। प्रेम, संतान भी मध्यम है, लेकिन व्यापार अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
सितारों की तरह चमकेंगे। जिस चीज की जरुरत है उसकी उपलब्धता होगी। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी मत करिएगा।

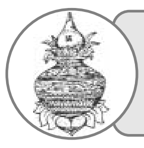

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

महाकुम्भ एक याद बन गया, लेकिन इसकी गूंज सदियों तक रहेगी

माँ-गंगा और यमुना की पवित्रा को बनाए रखने की दी प्रेरणा

प्रयागराज महाकुम्भ 45 दिनों तक आस्था, श्रद्धा और संस्कृति का केंद्र बना रहा। करोड़ों श्रद्धालुओं ने यहां पुण्य स्नान किया, संतों-महात्माओं के प्रवचन सुने और दिव्य वातावरण का आनंद लिया। अब जब महाकुम्भ का समापन हो गया है तो यह एक याद बनकर दिलों में बस गया है। जो करोड़ों देशवासियों के हृदयों में हमेशा रहेगी।

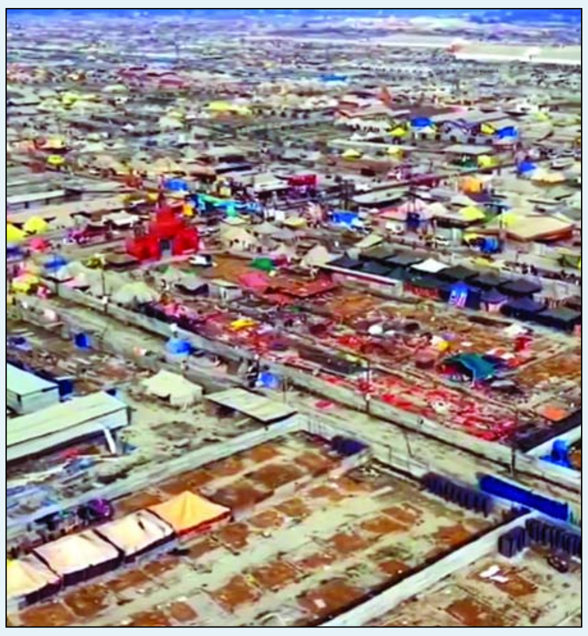

भव्य आयोजन, सफाई कर्मियों को नमन

महाकुंभ के सफल आयोजन में प्रशासन, सुरक्षा बलों और विशेष रूप से सफाई कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन कर्मयोगियों का आभार व्यक्त किया और उनके योगदान को सराहा। कुम्भ क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सफाई कार्य अभी भी जारी है।

संकल्प : गंगा-यमुना की निर्मलता और संस्कृति की रक्षा

महाकुंभ के समापन ने पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर भी चर्चा को तेज कर दिया है। महाकुम्भ ने एक बार फिर गंगा और यमुना की पवित्रता बनाए रखने की प्रेरणा दी है। इस भव्य आयोजन की समाप्ति के साथ, सभी को संकल्प दिलाया है कि मां गंगा और यमुना को स्वच्छ और अविरल बनाए रखने में योगदान देंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस दिव्य अनुभव का आनंद ले सकें।

संगम तट सूना, लेकिन स्मृतियां जीवंत

महाकुम्भ के दौरान जो घाट भक्तों से भरे रहते थे, वे अब सूने हो चुके हैं। श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य की ओर लौट चुके हैं, लेकिन संगम की लहरों में अभी भी आरती की गूंज महसूस होती है। महाकुम्भ में बिताए पल, संतों की वाणी और आध्यात्मिक अनुभूतियां श्रद्धालुओं के हृदय में सजीव बनी रहेंगी।

15 दिनों के विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत

प्रयागराज। प्रयागराज के संगम तट पर पिछले 45 दिनों से सनातन आस्था और अध्यात्म का अनवरत प्रवाह महाकुम्भ पर्व के रूप में संपन्न हुआ। सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में महाकुम्भ 2025 का आयोजन जहां अपनी दिव्यता और भव्यता के लिए जाना गया तो वहीं महाकुम्भ में स्वच्छता के भी कई कीर्तिमान बने। इसी क्रम में महाकुम्भ के समापन अवसर पर सीएम योगी ने स्वच्छताकर्मियों को सम्मानित किया। साथ ही अगले 15 दिन विशेष स्वच्छता अभियान चला कर महाकुम्भ मेला क्षेत्र को स्वच्छ और निर्मल बनाने का निर्देश भी दिया है। मेले की विशेष कार्याधिकारी आकांक्षा राना के मार्गदर्शन में स्वच्छता मित्रों और गंगा सेवा दूतों ने शुक्रवार से ही मेला क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान की शुरूआत कर दी है। आने वाले 15 दिनों में प्रयागराज के संगम क्षेत्र, घाटों और मेले की स्थाई व आस्थाई सड़कों को साफ और स्वच्छ किया जाएगा।

रेलगांव कॉलोनी में नए सिंथेटिक जॉगिंग ट्रैक एवं जिम का हुआ उद्घाटन

प्रयागराज (ब्यूरो)। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चन्द्र जोशी एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे कल्याण संगठन श्रीमती चेतना जोशी द्वारा रेलगांव कॉलोनी स्थित स्टेडियम में नई सिंथेटिक जॉगिंग ट्रैक का उद्घाटन किया गया।

इस दौरान उपेन्द्र चन्द्र जोशी एवं श्रीमती चेतना जोशी ने फीता काट कर जॉगिंग ट्रैक का औपचारिक उदघाटन किया और इस अवसर पर उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ इस नवनिर्मित ट्रैक पर वॉक भी किया और उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के इस प्रयास को सराहा। उदघाटन स्थल पर आगमन पर महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चन्द्र जोशी एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे कल्याण संगठन श्रीमती चेतना जोशी का अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ अनूप अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

इसके उपरांत उपेन्द्र चन्द्र जोशी एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे कल्याण संगठन श्रीमती चेतना जोशी ने मुख्यालय के स्पंदन अधिकारी क्लब में नवनिर्मित आधुनिक जिम का भी उदघाटन किया। क्लब आगमन पर प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

महाप्रबंधक ने उक्त सुविधाओं के शुभारंभ से उत्तर मध्य रेलवे के ना केवल खिलाड़ियों बल्कि अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुविधा मिलने की आशा जताई और कहा कि, इससे कॉलोंनी में बेहतर खेल वातावरण बनाने की सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक जे एस लाकरा सहित उतर मध्य रेलवे के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं उतर मध्य रेलवे खेल संघ के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

विजय सिंह पथिक जयंती धूमधाम से मनाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. यशवीर सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में संपन्न हुए दो दिवसीय पथिक जयंती समारोह में कई प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री चौधरी हरिश्चंद्र भाटी क्रांतिवीर शहीद विजय सिंह पथिक के जीवन पर प्रकाश डाला।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिवीर और प्रखर पत्रकार शहीद विजय सिंह पथिक की 144वीं जयंती 27 और 28 फरवरी को पथिक स्टेडियम, ग्रेटर नोएडा में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई । यह आयोजन गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और खादी ग्राम उद्योग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. यशवीर सिंह की अध्यक्षता में हुआ।

इस अवसर पर गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय महासचिव गुलजारी लाल नंदा ने शहीद विजय सिंह पथिक के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शहीद विजय सिंह पथिक ने राजस्थान में किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और बिजोलिया किसान आंदोलन का नेतृत्व किया, जिसे ब्रिटिश संसद तक में चर्चा का विषय बनाया। उन्होंने कहा कि शहीद पथिक की एक बड़ी प्रतिमा स्थापित की जानी चाहिए और उनके योगदान को शिला पट पर अंकित किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके योगदान को याद रखें और गर्व महसूस करें।

कार्यक्रम के दौरान कई स्कूलों के बच्चों ने देशभक्ति से प्रेरित गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर गुर्जर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाले व्यक्तियों, प्रतिभाशाली छात्रों, खेलकूद और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। इनमें बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह, गोल्ड मेडलिस्ट ताइक्कांडो खिलाड़ी कंगना कसाना सहित कई अन्य सम्मानित व्यक्ति शामिल थे।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख नेताओं और समाज के कार्यकर्ताओं में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, दिनेश गुर्जर, जिले सिंह, राजपाल कसाना, अजीत मुखिया, योगेंद्र चौधरी, इलम सिंह नागर, रूपचंद नागर, एडवोकेट रामशरण नागर, मनवीर नागर, शेर सिंह भाटी, अशोक भाटी, शिवम भाटी, सुनील भाटी, कठेड़ा संजीव भाटी, गीता भाटी, नूतन भाटी, ममता भाटी, सरोज जी, अनीता नागर, सविता गुर्जर और राकेश बसोया शामिल थे।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा ने शहीद विजय सिंह पथिक जी को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने का संकल्प लिया, ताकि उनके बलिदान और योगदान को सही मायनों में सम्मान मिल सके।

पृष्ठ एक के शेष....

चमोली में 'मिशन जिंदगी'....

मौसम चुनौती बना हुआ है। सेना का Mi-17 हेलिकॉप्टर स्टैंड बाय पर है। जैसे ही मौसम ठीक होता हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन तेज हो जाएगा। वहीं, सीएम धामी चमोली में ग्राउंड जीरों पर पहुंच गए हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा ले रहे हैं।

बचाव अभियान की जानकारी अपडेट करते हुए उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि फंसे हुए मजदूरों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। चमोली जिले के ऊंचाई वाले गांव मांड़ा में हिमस्खलन के कारण फंसे कुल 55 बीआरओ (बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन) श्रमिकों में से 47 को बचा लिया गया है। 14 मजदूरों को शनिवार सुबह निकाला गया। जबकि 8 मजदूर अभी फंसे हुए हैं। एवलांच शुक्रवार सुबह 6:30 के करीब आया था।

गुस्से में ट्रंप....

वहीं जेलेंस्की ब्रिटेन रवाना चले गए हैं। वह अब लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर द्वारा यूक्रेन पर आयोजित एक समिट में शामिल होंगे।

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान तीख नोंकझोंक हो गई थी। दरअसल जेलेंस्की मिनरल डील के लिए अमेरिका पहुंचे थे, लेकिन बात बिगड़ जाने से डील भी नहीं हो पाई। ट्रंप ने बीच में ही बातचीत बंद कर दी और जेलेंस्की भी व्हाइट हाउस छोड़कर अपने होटल चले गए. व्हाइट हाउस ने बताया कि जेलेंस्की को जाने के लिए कहा गया था. किसी नामी अधिकारी ने बताया कि बैठक के बाद यूक्रेनी नेता ने दौरे को पटरी पर लाने की कोशिश की, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन के अधिकारियों को बताया कि ट्रंप ने जेलेंस्की को तुरंत व्हाइट हाउस छोड़ने को कहा है।

दरअसल, राष्ट्रपति ट्रंप पूर्व प्रेसिडेंट जो बाइडेन प्रशासन द्वारा यूक्रेन को दिए गए आर्थिक और सैन्य मदद का मुआवजा मांग रहे हैं। वह चाहते हैं कि बस अमेरिका को किसी तरह उस इन्वेस्टमेंट का रिटर्न मिल जाए।

अपने बयानों में वह कई बार कहते सुने जा रहे थे कि दिए गए सपोर्ट के बदले अमेरिका को 500 अरब डॉलर चाहिए, लेकिन 350 अरब डॉलर बात फाइनल करना चाह रहे थे। उन्होंने शर्त भी रखी कि इसके बदले यूक्रेन को कुछ नहीं मिलेगा, सुरक्षा तो कतई नहीं।

हिंडन एयरपोर्ट से....

केन्द्रीय मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने संबोधन में कहा कि आज हम सभी मिलकर मोदी जी के उस सपने को साकार कर रहे हैं, जिसमें हवाई चप्पल से हवाई जहाज तक का सफर तय करना है। मैं विश्वास से कह सकता हूं कि एक दिन हम हिंडन से लंदन तक का सफर करेंगे। इस शुभारंभ के दिन गोवा के इस टूर पर जो गाजियाबाद के जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग जा रहे हैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

इस फ्लाइट में मुख्य रूप से गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, शहर विधायक संजीव शर्मा, लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर, सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र मित्तल मेदी वाले, समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता, पिलखुवा चेयरमैन विभु बंसल, महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान, निशांत शिशोदिया, संजीव मित्तल, गुलशन भांवरी, विपिन गोयल, चेतन शर्मा, महिम गुप्ता, उमेश राणा, उदित मोहन गर्ग, अनुज मित्तल और अन्य गणमान्य लोग शामिल थे।

गाजियाबाद से अब देश के प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवाएं शुरू की जा रही हैं। सांसद अतुल गर्ग के प्रयासों के कारण यह कामयाबी संभव हुई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आसानी से हवाई यात्रा की सुविधा प्रदान करना है और इसे एक प्रमुख हवाई केंद्र के रूप में विकसित करना है।

नोएडा में भी लाई जाए ....

उनकी ओर सरकार ध्यान दें तथा प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवासीय योजना लाई जाए।

उन्होंने कहा कि अमिताभ कांत की रिपोर्ट के बाद नोएडा में रजिस्ट्री हो रही है। लेकिन ऐसे बिल्डर जिनकी गलती की वजह से बायर्स को परेशानी हो रही है। भ्रष्टाचार में लिप्त हो जिनकी वजह से गरीब और मध्यसम वर्ग के परिवार को परेशानी हो रही है। ऐसे बिल्डरों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए साथ ही रजिस्ट्री की प्रक्रिया को तेज किया जाए।

बता दे नोएडा में अब भी हजारों ऐसे फ्लैट बायर्स है जिनको घर का मालिकाना हक नहीं मिला है। इसकी वजह बिल्डर की ओर से अमिताभ कांत की रिपोर्ट के अनुसारा 25 प्रतिशत पैसा जमा नहीं करना है। प्राधिकरण कई बार इन बिल्डरों को नोटिस जारी कर चुकी है। यही नहीं वित्तीय अनियमितताओं के लिए ईओडब्ल्यू दिल्ली को जांच के लिए आग्रह किया गया। बावजूद इसके बिल्डर सामने नहीं आ रहे।

प्राधिकरण ने बताया कि 57 बिल्डरों पर करीब 8273.78 हजार करोड़ रुपए बकाया था। अमिताभ कांत की सिफारिश के बाद इन बिल्डरों को 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2022 तक जीरो पीरियड का फायदा दिया गया। शासनादेश के तहत सहमति होने के बाद 60 दिन के अंदर कुल बकाए में से 25 प्रतिशत धनराशि बिल्डरों को जमा करनी थी। इसमें से 29 बिल्डरों ने 25 प्रतिशत पैसा जमा कर दिया है। अब तक बिल्डरों ने प्राधिकरण में करीब 600 करोड़ रुपए जमा कराए है। जिससे 2300 से ज्यादा की रजिस्ट्री हो चुकी है। हालांकि अब भी हजारों बायर्स फंसे हुए है।

लॉ कॉलेज के प्रोफेसर ने....

मनीष कुमार का आरोप है कि कॉलेज मालिक मनोज भारद्वाज ने प्रयागराज ना जाने पर उसे तीन माह का वेतन नहीं दिया। उसने जब वेतन मांगा तो उसे गालियां दी गई और जाति सूचक शब्दों से संबोधित किया गया। मनोज भारद्वाज ने कॉलेज में आने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि कॉलेज मालिक मनोज भारद्वाज पहले भी कई असिस्टेंट प्रोफेसर को वेतन दिए बिना कॉलेज से निकाल चुका है। पीड़ित के अनुसार अपने साथ हुए व्यवहार की शिकायत उसने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति आयोग में भी की थी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

मकान का सौदा कर....

नहीं होगा तब तक रजिस्ट्री होना संभव नहीं है। इसके बाद उसने मधु सक्सेना द्वारा बताए गए बैंक लोन खाते में लोन की राशि के रूप में 8.30 लाख रुपए भी जमा कर दिए। चंदन सिंह के मुताबिक उसने करीब 40 लाख 25 हजार रुपए आरोपियों को दे दिए और रजिस्ट्री करने को कहा। इस दौरान उसे पता चला कि मधु सक्सेना की 23 जुलाई 2022 को मृत्यु हो गई जिसके बाद उसके पुत्र पुत्रियां व दामाद उक्त मकान को किसी अन्य को बेचने की फिराक में लगे हुए हैं। इसके बाद वह अपने दोस्त संजय जायसवाल के साथ उन लोगों के पास गया और मकान की रजिस्ट्री करने को कहा। उस दौरान उन लोगों ने उसे आश्वासन दिया कि वह मकान उनके नाम वारिसान में ट्रांसफर होने पर उसके नाम रजिस्ट्री कर देंगे। रजिस्ट्री करने के लिए उन्होंने कुछ वक्त मांगा। निर्धारित वक्त बीतने के बाद जब उसने मधु सक्सेना के पुत्र पुत्री से संपर्क किया तो उन्होंने मकान की रजिस्ट्री करने से साफ इनकार कर दिया। पैसे वापस मांगने पर उन्होंने उसे जान से मारने तथा झूठे केस में फसाने की धमकी दी। पीड़ित के मुताबिक उसने पुलिस में शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। थक हार कर उसने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय के निर्देश पर पुलिस ने श्रवण कुमार, राखी साहनी, मीनाक्षी व तरुण साहनी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

महाकुंभ में गया था....

पुलिस का कहना है क्की जांच पड़ताल के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज खंगाल कर चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

गेल अपार्टमेंट के गार्ड से...

उसने विजिटर को गलत एंट्री करने से मना किया तो उसने गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर विजिटर ने अपार्टमेंट में रहने वाले श्रीकांत मिश्रा को फोन कर बुला लिया। उदित चिकारा के अनुसार उसने श्रीकांत मिश्रा को समझाया कि उनके यहां आया विजिटर फ्लैट नंबर गलत बता रहा था और रजिस्टर में गलत एंट्री करने की कोशिश कर रहा था, इसलिए उसने उसे रोका था। इसके बावजूद भी श्रीकांत मिश्रा ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। पीड़ति के मुताबिक गाली गलौज व मारपीट की यह पूरी घटना मुख्य द्वार पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मारपीट के बाद श्रीकांत मिश्रा व विजिटर उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

घर से बिना बताए ....

परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और किशोरी की तलाश कर रही है।

महिला के साथ ....

उसकी मम्मी ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक इसके बाद कृष्ण ने भी उनके साथ मारपीट की। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

सोरखा कॉलोनी में भंडारे का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। सोरखा एक्सटेंशन कॉलोनी सेक्टर-115, नोएडा पर ग्रामीण विकास समिति के पदाधिकारी हरगोविंद सिंह लायक हुसैन के नेतृत्व में भंडारे का आयोजन हुआ।

भंडारे में सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, जनवादी महिला समिति की नेता आशा यादव, चंदा बेगम ने भी हिस्सा लिया। भंडारे में सैकड़ो लोगों को भोजन कराया गया।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

सेबी के नए चेयरमैन होंगे तुहिन कांत पांडेय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वित्त एवं राजस्व सचिव तुहिन कांत पांडेय को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। वह माधबी पुरी बुच की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल इस महीने खत्म हो रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने ओडिशा कैडर के 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी तुहिन कांत पांडेय की नियुक्ति को मंजूरी दी है। वह पदभार संभालने के बाद शुरू में तीन साल या अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। तुहिन कांत पांडेय वित्त मंत्रालय में वित्त और राजस्व सचिव के तौर पर कार्यरत हैं। वह सरकारी विनिवेश प्रक्रिया में बड़ी भूमिका निभा चुके हैं। इसके अलावा सरकारी कंपनियों की हिस्सेदारी बिक्री को लेकर कई बड़े फैसले किए हैं। पांडेय 7 सितंबर 2024 को वित्त सचिव के पद पर नियुक्त किए गए थे। जनवरी 2025 में, उन्हें वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था।

पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड ने अपनी पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 में दो नए कलर पिक्स ब्रॉन्ज और स्मोक सिल्वर शामिल किए हैं। बाइक स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, गूगल मैप्स इंटीग्रेशन और मीडिया कंट्रोल के साथ 4-इंच टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स से लैस है। बाइक अब 6 कलर ऑप्शन के साथ अवेलेबल है। रोडस्टर बाइक तीन वैरिएंट- एनालॉग, डैश और फ्लैश में आती है और इसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 2.49 लाख रुपए रखी गई है, जो टॉप वैरिएंट में 2.54 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तक जाती है। नए कलर के साथ बाइक की बुकिंग लॉन्च के साथ ही शुरू हो चुकी है और इनकी डिलीवरी 10 मार्च 2025 से मिलेगी।

फ्रंट फ्लिप मार सकता है चाइनीज ह्यूमनॉइड रोबोट

बीजिंग। दुनिया भर की प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां अब ह्यूमनॉइड रोबोट्स की कैटेगरी में एंट्री कर रही हैं। चीन में इस पर बड़ा काम हो रहा है। वहां की एक कंपनी है झोंगकिंग रोबोटिक्स। इसका पॉपुलर नाम इंजनएआई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, झोंगकिंग रोबोटिक्स ने दुनिया का ऐसा पहला ह्यूमनॉइड रोबोट बनाया है, जो फ्रंट फ्लिप मार सकता है। आसान भाषा में कहें तो यह एक जगह पर खड़ा होकर आगे की तरफ से पूरा फ्लिप हो जाता है। कंपनी ने इसका वीडियो भी शेयर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बैकफ्लिप करने वाले रोबोट तैयार किए जा चुके हैं। 2017 में पहली बार दुनिया ने बैकफ्लिप करने वाला रोबोट देखा था। उसे एक अमेरिकी कंपनी ने तैयार किया था। तब से अबतक ना जाने कितने ऐसे रोबोट आ गए। कमी थी तो फ्रंटफ्लिप करने वाले रोबोट की। कहा जाता है कि बैकफ्लिप मारने से ज्यादा मुश्किल है फ्रंटफ्लिप करना।

भारत के विरासत व भविष्य के विकास की कुंजी है डिजाइन : गोयल

- राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के 44वें दीक्षांत समारोह में 430 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई
- नए स्नातक विरासत और देश के भविष्य में सेतु का कार्य करेंगे
- समस्या समाधानकर्ता, नवोन्मेषक और डिजाइनर के रूप में ये स्नातक विश्व के लिए कार्य करेंग
- समावेशी विकास व प्रगति देश का संकल्प और शक्ति है अपनी क्षमताओं के साथ विश्व में सृजन करें
- डिजाइन में संभावनाएं अनंत है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि डिजाइन केवल सौंदर्य शास्त्र के संबंध में नहीं है। यह एक नवाचार है, जिसका भारतीय विरासत पर प्रभाव रहा है, जो देश के विकास में भूमिका निभाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के 44वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि नए स्नातक विरासत और देश के भविष्य में सेतु का कार्य करेंगे। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद और गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी उपस्थित थे। गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्व के लिए 'मेक इन इंडिया' और 'डिजाइन इन इंडिया' के आह्वान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नए स्नातक इसे वास्तविक रूप देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि समस्या समाधानकर्ता, नवोन्मेषक और डिजाइनर के रूप में ये स्नातक विश्व के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा, आप विश्व के निमार्ता होंगे, विश्व आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। 44वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर विभिन्न विषयों के 430 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। वाणिज्य मंत्री ने अंतरिक्ष से लेकर सेमीकंडक्टर तक के क्षेत्रों में डिजाइन के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए बताया कि चंद्रयान अंतरिक्ष मिशन का पहला चरण उपग्रह का डिजाइन था, जिसने इसकी सफलता को जन्म दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की डिजाइन क्षमताएं ऑडियो-विजुअल प्रौद्योगिकियों से लेकर गेमिंग, सततता, खिलौनों और अन्य क्षेत्रों में प्रदर्शित होंगी। गोयल ने कहा कि डिजाइन में संभावनाएं अनंत हैं। गोयल ने कहा कि हमें देश के 140 करोड़ लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशाल स्तर पर नवीन विचार और नवाचार सृजित करने होंगे। समावेशी विकास और प्रगति हमारे देश का संकल्प और शक्ति है। अपनी क्षमताओं के साथ विश्व में सृजन करें, बदलाव लाएं और अपना प्रभाव बनाएं। हमारे बच्चे, भारत के उज्ज्वल भविष्य के शिल्पकार हैं। इनकी मेहनत से भारत, विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करते हुए विश्व में अपनी नई पहचान स्थापित करेगा।

कोलकाता के बाद चेन्नई में खुला उड़ान यात्री कैफे

नई दिल्ली। एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का रेट देखकर ज्यादातर यात्री खाने का मन नहीं बनाते हैं। लेकिन मोदी सरकार के प्रयास से अब आम आदमी भी एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का मजा ले सके हैं। इसी कड़ी में एयरपोर्ट पर अब 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा मिलना शुरू हुआ हो गया है। यात्री कैफे की शुरूआत 19 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से हुई थी और अब चेन्नई में भी इसतरह का कैफे खुल गया है। माना जा रहा है कि कोलकाता और चेन्नई के बाद अब दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट्स का भी नंबर आ सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि यह कैफे चेन्नई एयरपोर्ट के डोमेस्टिक टर्मिनल-1 पर चेक-इन से पहले एरिया में खुला है। यहां 10 रुपये में चाय, 10 रुपये में पानी की बोतल और 20 रुपये में समोसा, कॉफी और मिठाई खरीदी जा सकती है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने चेन्नई एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे का उद्घाटन किया। पहला उड़ान यात्री कैफे 19 दिसंबर को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किया गया था।

मेटा ने 20 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

एजेंसी

वाशिंगटन। फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में करीब 20 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह कदम कंपनी की आंतरिक जांच के बाद उठाया गया, जिसमें पाया गया कि कुछ कर्मचारियों ने घोषित न किए गए प्रोडक्ट प्लान और इंटरनल बैठकों की जानकारी बाहर साझा की थी। मेटा लंबे समय से कंपनी की आंतरिक जानकारी लीक करने के खिलाफ सख्त नीति अपना रही है। सीईटो मार्क जुकरबर्ग

और सीटीओ एंड्रयू बोसवर्थ ने भी नाराजगी जताई है। बोसवर्थ ने कहा कि जानकारी लीक करने वालों को पकड़ने की क्षमताएं लगातार बेहतर हो रही हैं। मेटा के प्रवक्ता ने बताया कि हाल ही में एक जांच की है जिसके बाद करीब 20 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। आने वाले समय में और भी कार्रवाई हो सकती है। पिछले कुछ महीनों में मेटा की इंटरनल जानकारी लीक होने की घटनाएं बढ़ीं। सीईओ मार्क जुकरबर्ग की इंटरनल बैठकों से जुड़ी डिटेल्स मीडिया में लीक हो गईं। ऑल-हैंड्स बैठक की जानकारी सार्वजनिक हो गई, जिससे कंपनी नाराज थी। कई अनाउंस न किए गए प्रोडक्ट और अपकमिंग फीचर्स की जानकारी बाहर आ चुकी थी। मेटा ने साफ कर दिया है कि वह कंपनी की गोपनीयता बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाएगा और जो भी कर्मचारी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ बर्खास्तगी जैसी कड़ी कार्रवाई होगी।

गोदरेज ने लांच की स्मार्ट सिक्योरिटी की नई रेंज

एजेंसी

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने प्रीमियम, तकनीक-सक्षम होम लॉकर्स की अपनी नवीनतम रेंज पेश की है, जिससे सुरक्षा क्षेत्र में इसके पोर्टफोलियो और बाजार हिस्सेदारी को मजबूती मिली है। आधुनिक घरेलू सौंदर्य के साथ सहजता से डिजाइन किए गए, ये होम लॉकर्स सोफस्टिकेटेड डिजाइन को तकनीक के साथ जोड़ते हैं, जिससे बिना किसी समझौते के सुरक्षा और आकर्षक अपील दोनों सुनिश्चित होती है। व्यवसाय ने वित्त वर्ष 26 में 20% की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एक्जीक्यूटिव वाइस-प्रेजिडेंट और सुरक्षा समाधान व्यवसाय के व्यापार प्रमुख पुष्कर गोखले ने कहा, एक सदी से भी अधिक समय से एक पसंदीदा ब्रांड के रूप में, हमने लगातार खुद को नया रूप दिया है और एक ऐसी श्रेणी बनाई है जो भारतीय घरों के साथ-साथ विकसित हुई है। होम लॉकर्स की हमारी नवीनतम रेंज के साथ, हम एक बार फिर सुरक्षा को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। हम लॉकर्स की अपनी नई रेंज लॉन्च करने के लिए उत्सुक हैं जो उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई अनूठी विशेषताओं, मजबूत सुरक्षा और विशाल डिजाइन से लैस हैं। हमने अपने ब्रांड की उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए टियर 2 बाजारों को ध्यान में रखते हुए लॉकर्स भी लॉन्च किए हैं। हम बाजार में आगे रहने के लिए लगातार नई तकनीकी साझेदारी और निवेश की खोज कर रहे हैं। हमने उन्नत सुरक्षा उत्पादों और समाधानों का एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाने के लिए पिछले 3 वर्षों में काफी निवेश किया है।

सैमसंग गैलेक्सी ए सीरीज के तीन नये स्मार्टफोन्स करेगा लांच

एजेंसी

रांची। सैमसंग भारत में अगले हफ्ते गैलेक्सी ए सीरीज के तीन नये स्मार्टफोन्स लॉन्च करेगा। गैलेक्सी ए भारत में सैमसंग की सबसे सफल स्मार्टफोन सीरीज है। कंपनी हर साल इसके लाखों डिवाइसेस बेच रही है। गैलेक्सी ए सीरीज के नये स्मार्टफोन्स पिछले साल लॉन्च हुए गैलेक्सी ए35 और गैलेक्सी ए55 स्मार्टफोन्स की श्रृंखला को आगे बढ़ाएंगे। गैलेक्सी ए सीरीज के स्मार्टफोन्स युवा उपभोक्ताओं की लगातार बदल रही आवश्यकताएं पूरी करने के लिये है। अबकी बार इस सीरीज में नई डिजाइन, बेहतर ड्यूरैबिलिटी और आधुनिक सुरक्षा होगी, ताकि यूजर को शानदार एवं सुरक्षित अनुभव मिल सके। बीते वर्षों में सैमसंग ने गैलेक्सी ए सीरीज में अपने कई प्रमुख फीचर्स पेश किये हैं और इस तरह अपने सबसे नये फीचर्स को ज्यादा यूजर्स तक पहुँचाया है। गैलेक्सी ए सीरीज के तीन नये स्मार्टफोन्स लॉन्च के साथ ये परंपरा जारी रहेगी और भारतीय उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिलेंगे।

मारुति सुजुकी ने खरखौदा प्लांट में शुरू किया उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के खरखौदा स्थित अपने नए प्लांट में मारुति सुजुकी इंडिया ने उत्पादन शुरू कर दिया है। हरियाणा के इस प्लांट में ब्रेजा एसयूवी बनाई जाएगी। बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2022 में इस प्लांट की नींव रखी थी। कंपनी भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है और इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी ध्यान दे रही है। वह भारत से ज्यादा गाड़ियां निर्यात भी करना चाहती है। मारुति सुजुकी इंडिया का खरखौदा प्लांट काफी अहम है, क्योंकि इससे घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इस प्लांट की आधारशिला अगस्त 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

वर्चुअली रखी थी। इस प्लांट से शुरूआत में 2.5 लाख गाड़ियां हर साल बनाई जाएंगी। इस नए प्लांट के शुरू होने से मारुति सुजुकी कारों की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 26 लाख यूनिट सालाना हो गई है। इसमें सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड का उत्पादन भी शामिल है, जो मारुति सुजुकी की ही एक सहायक कंपनी है। यह कदम कंपनी की भारत केंद्रित रणनीति का हिस्सा है। बता दें कि मारुति सुजुकी की मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन जापान ने हाल ही में अपनी नई रणनीति की घोषणा की है। इसका मुख्य कारण भारत में कंपनी का घटता मार्केट शेयर और बढ़ता हुआ ईवी सेगमेंट है। कंपनी भारत में 50 फीसदी मार्केट शेयर हासिल करना चाहती है। इसके लिए वह सालाना 40 लाख गाड़ियां बनाने की क्षमता तैयार करना चाहती है। कंपनी भारत को ग्लोबल एक्सपोर्ट हब के रूप में भी इस्तेमाल करना चाहती है। 2025-30 के लिए अपनी नई योजना में सुजुकी मोटर ने भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण बाजार बताया है। कंपनी ई-विटारा के साथ अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी। बता दें कि मारुति सुजुकी फिलहाल भारत से हर साल 3 लाख गाड़ियां निर्यात करती है। कंपनी का लक्ष्य है कि इस दशक के अंत तक यह संख्या बढ़कर 7.5 से 8 लाख यूनिट हो जाए।

भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर सहमति बन गई है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। वहीं, फिनटेक कंपनी पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ हिस्सेदारी करने का ऐलान किया है, जिससे यूजर्स को ऐप पर एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन की सुविधा मिलेगी। भारत ने एक्सपोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए अब तक 13 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स और 6 प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कड़ी में यूके के साथ होने वाला नया समझौता भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजारों में ज्यादा पहुंच प्रदान करेगा।

इंडियन सिल्क हाउस एजेंसीज के 45वें स्टोर का उद्घाटन

एजेंसी

रांची। इंडियन सिल्क हाउस एजेंसीज के 45वें स्टोर के भव्य उद्घाटन के अवसर पर, पूरे भारत से लाई गई सुंदर साड़ियों का एक विशिष्ट संग्रह प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संग्रह भारत की बेहतरीन बुनाई और शिल्प कौशल को दर्शाता है, जिसमें शामिल हैं:

इंडियन सिल्क हाउस एजेंसीज में सशक्तिकरण ब्रांड की मूल विचारधारा का केंद्र है। हर खरीदी गई साड़ी बुनकर समुदायों का समर्थन करती है, शिक्षा को प्रोत्साहित करती है और आजीविका बनाए रखती है। हर बुने हुए धागे के माध्यम से कारीगरों, ग्राहकों और समाज की महिलाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया

जाता है। साड़ियां कालातीत होती हैं, किसी भी आकार में फिट हो सकती हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी संजोई जाती हैं, जिससे वे स्थायी फैशन का प्रतीक बनती हैं। इंडियन सिल्क हाउस एजेंसीज सर्कुलर इकोनॉमी को प्रोत्साहित करने, कचरे को कम करने और पर्यावरण अनुकूल बुनाई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है। इंडियन सिल्क हाउस एजेंसीज का लक्ष्य पूरे देश में प्रत्येक शहर में एक साड़ी स्टोर स्थापित कर, कारीगरों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना है। 1,000 से अधिक हैंडलूम बुनाई समूहों और 62 बुनाई तकनीकों को समर्थन दिया जा रहा है, जिससे 15,000 से अधिक कारीगरों को मंच मिल रहा है। ब्रांड का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की सुंदरता को वैश्विक स्तर पर फैलाना है। 9 राज्यों में 52 स्टोर और 5,00,000 से अधिक ग्राहकों के साथ, इंडियन सिल्क हाउस एजेंसीज अपनी ई-कॉमर्स उपस्थिति का भी विस्तार कर रही है, जिससे प्रमाणिक भारतीय साड़ियाँ हर घर तक पहुँच सकें।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं जिससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फरवरी के अंतिम दिन शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं हुआ और इसकी कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। देश के सभी चार महानगरों की बात करें तो उसमें कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में प्रैट्रोल 94.72 वहीं डीजल 87.62 रुपये पर बना हुआ है। वहीं मुम्बई में प्रैट्रोल 103.44 और डीजल 89.97 रुपये जबकि कोलकाता में प्रैट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 पर है। चेन्नई में प्रैट्रोल 100.85 व डीजल 92.44 वहीं बेंगलुरु में प्रैट्रोल 102.86 और डीजल 88.94 पर है।

एम्बार्क मोटर वर्ल्ड ने लांच किया द बोल्ड रूट सीरीज

- महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को कश्मीर से कण्याकुमारी यात्रा के साथ शुरू होगी

एजेंसी

मुंबई। एम्बार्क मोटरवर्ल्ड, भारत का प्रमुख लक्जरी सेल्फ-ड्राइव प्लेटफॉर्म, गर्व से 'द बोल्ड रूट सीरीज' का अनावरण करता है, जो महिलाओं के लिए विशेष सेल्फ-ड्राइव एक्सपेडीशन्स का एक विशेष संग्रह है। इसका उद्देश्य साहसिकता, सशक्तिकरण और निर्भीक अन्वेषण को बढ़ावा देना है। यह अग्रणी पहल महिलाओं को भारत और उसके बाहर के अद्भुत परिदृश्यों में यात्रा करने का अवसर प्रदान करती है और यात्रा की भावना को फिर से परिभाषित करती है, साथ ही सड़क सुरक्षा और समावेशिता के प्रति जागरूकता फैलाती है। यह पहल महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च, 2025 को शुरू की जाएगी। इस साहसिक सीरीज की पहली यात्रा है कश्मीर से कण्याकुमारी की 'ऑल-वूमेन्स ड्राइव 2025', जिसे स्कोडा द्वारा संचालित किया जाएगा। यह असाधारण यात्रा 8 मार्च, 2025 को शुरू होगी, जिसमें 50 से अधिक निर्भीक महिलाएं कश्मीर की सुरम्य घाटियों से लेकर भारत के दक्षिणतम बिंदु कण्याकुमारी तक 3,700 किमी की यात्रा पर निकलेंगी।

एमपॉवरिंग माइंड्स समिट परिवर्तनकारी कंसोर्टियम लांच

एजेंसी

मुंबई। आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट (एबीईटी) के तहत संचालित एमपावर की एक पहल एमपावरिंग माइंड्स समिट 2025 में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, मेंटल हेल्थ फर्स्ट एड (एमएचएफए) ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञों तथा प्रतिष्ठित मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों एवं प्रमुख नीति निमार्ताओं को युवाओं के बढ़ते मानसिक स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए बुलाया गया। शिखर सम्मेलन ने भारत में अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए आपातकाल बन चुके इस संकट से निपटने के लिए, हर सेक्टर के हस्तक्षेप की तत्काल जरूरत को रेखांकित किया। भारत एक ऐसा देश है, जिसका आर्थिक भविष्य उसके युवाओं की भलाई के साथ गुंथा हुआ है। शिखर सम्मेलन का एक बड़ा

आकर्षण था- अनवीलिंग द साइलेंट स्ट्रगलः एमपॉवर रिसर्च रिपोर्ट- जो युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए, पूरे भारत के कॉलेजी छात्रों में व्याप्त अकेलापन, अनिद्रा और तनाव का सहसंबंध स्थापित करती है। रिपोर्ट का अनावरण आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट की संस्थापक एवं अध्यक्ष नीरजा बिड़ला के साथ मिलकर महाराष्ट्र सरकार के उद्योग एवं मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत, स्वास्थ्य सचिव निपुण विनायक और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक डॉ. भाविसकर ने किया। यह रिपोर्ट युवाओं में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों पर प्रकाश डालती है, जिसमें बताया गया है कि 50% लक्षण 14 वर्ष की आयु तक उभर आते हैं और प्रारंभिक हस्तक्षेप पर्याप्त नहीं होता। प्रमुख निष्कर्षों में शामिल हैंः 38% छात्र शैक्षणिक चिंता का सामना करते हैं, 50% छात्रों के प्रदर्शन में गिरावट आ जाती हैं, 41% सामाजिक अलगाव अनुभव करते हैं, और 47% नींद की समस्या से जूझते हैं, छात्राओं पर इसका बहुत ज्यादा प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। चिंताजनक रूप से, 9% को नींद की गंभीर समस्याएँ झेलनी पड़ती हैं, 8.7% ने तो शैक्षणिक दबाव के चलते आत्महत्या के बारे में सोचा, और केवल 2% छात्र ही पेशेवर लोगों की मदद माँगते हैं। इस अध्ययन में भी यह खुलासा भी हुआ है कि अकेलेपन और नींद की गड़बड़ी (35% सहसंबंध) तथा तनाव (47% सहसंबंध) के बीच बहुत गहरा संबंध है, जो प्रणालीगत मानसिक स्वास्थ्य सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है। स्थायी महत्व का बहुत बड़ा कदम उठाते हुए, नीरजा बिड़ला ने ग्लोबल मेंटल हेल्थ कंसोर्टियम को लॉन्च करने का ऐलान किया, जो भारत और उसके बाहर मानसिक स्वास्थ्य के परिदृश्य में प्रणालीगत बदलाव लाने की दृष्टि से एक सहभागिता वाली पहल है।

नथिंग फोन 3ए स्मार्टफोन सीरीज 4 मार्च को लांच होगी

मुंबई। यूके बेस्ड टेक कंपनी नथिंग 4 मार्च को नथिंग फोन 3ए सीरीज लॉन्च करने जा रही है। इस सीरीज में कंपनी दो स्मार्टफोन नथिंग फोन 3ए और नथिंग फोन 3ए प्रो पेश करेगी। नथिंग 3ए सीरीज के स्मार्टफोन में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट वाला 6.77 इंच का एमोलेड डिस्प्ले, 50 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा और 5000 एमएएच बैटरी मिलने की उम्मीद है। भारत में इसकी शुरूआती कीमत 40,000 रुपए हो सकती है। कंपनी ने स्मार्टफोन्स के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में इसके लगभग सभी फीचर्स लीक हो चुके हैं। उन्हीं के आधार पर हम यहां इसके स्पेसिफिकेशन शेयर कर रहे हैं। नथिंग फोन 3 में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.77 इंच का फ्लेक्जिबल एमोलेड डिस्प्ले मिल सकता है। इसका रेजोल्यूशन 1280गुणा2400 पिक्सल और पीक ब्राइटनेस 1600 नीट्स हो सकती है। परफॉर्मेंस के लिए फोन में क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 चिपसेट मिल सकता है, जो लेटेस्ट ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्रॉयड 15 पर रन करता है।

तेजस्वी के रिसोट्टो ने सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के जजों को कर दिया हैरान

एजेंसी

मुंबई। सोनी टीवी का सेलिब्रिटी मास्टरशेफ लगातार रोमांचक कुकिंग चैलेंजेस के साथ दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस बार प्रतियोगियों को एक नया और अनोखा टास्क दिया गया - इटली वाया इंडिया चुनौती यह थी कि उन्हें इटली के झंडे के किसी एक रंग को दशार्ने वाली डिश बनानी थी—वह भी सिर्फ 90 मिनट में। सेलिब्रिटी कुक तेजस्वी प्रकाश ने सफेद रंग को चुना और पूरे दिल से एक खास रिसोट्टो तैयार किया। जज शेफ रणवीर बरार ने पहला निवाला लिया और उससे पूछा, जब आपने इसे चखा, तो क्या आपको अपनी माँ की याद आई? क्या आप उन भावनाओं को इस डिश में उतारने में सफल हुईं? इसके बाद उन्होंने नाटकीय अंदाज में चम्मच टेबल पर बजाया और कहा, रयह आपकी अब तक की सबसे बेहतरीन डिश है। आश्चर्य यहीं खत्म नहीं हुआ—जज फराह खान इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने तेजस्वी का हाथ चूमकर उनकी तारीफ की। तेजस्वी, जजों की इतनी शानदार प्रतिक्रियाओं से भावुक हो गईं। क्या यह पल तेजस्वी को प्रतियोगिता में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास देगा?

इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी

कराची । दक्षिण अफ्रीका की टीम शनिवार को यहां होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि इंग्लैड की टीम का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह अपने दोनो ही मैच हारी है। पहले मैच में उसे ऑस्ट्रेलिया जबकि दूसरे मैच में अफगानिस्तान ने हराया। दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस टूनार्मेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अधिकतर खिलाड़ी भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। वहीं दूसरी और इंग्लैंड की बल्लेबाज जो रुट पर ही टिक है। अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक केवल एक मैच ही खेला है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था। इस मैच में उसके बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने शतक लगाया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मार्क्रम ने अर्धशतक लगाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 315 रन बनाए और इसके बाद अफगानिस्तान को 208 रन पर ही समेट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ जो बात जा रही है वह ये है कि वह बड़े मुकाबलों में दबाव का सामना करते हुए बिखर जाती है हालांकि आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है पर पिछले एक साल में वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 एकदिवीसयय मैच में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में भी दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह नहीं बना पायी थी। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही अपने अभियान का समापन करना चाहेगी।

पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने फीफा संशोधनों को दी मंजूरी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) ने गुरुवार को फीफा द्वारा प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। फीफा ने 6 फरवरी को पीएफएफ द्वारा चुनावी सुधारों को खारिज करने के बाद पाकिस्तान पर आठ साल में तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय निलंबन लगाया था।
लाहौर में आयोजित असाधारण कांग्रेस में पीएफएफ ने 23-0 के मतों से संशोधनों को मंजूरी दी। इस बैठक में फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अधिकारी भी उपस्थित थे।
पीएफएफ ने एक बयान में कहा, ₹कांग्रेस सदस्यों ने पाकिस्तान फुटबॉल के सर्वोत्तम हित में फीफा द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया, जिससे फीफा का निलंबन हटने की उम्मीद के बाद एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हो गया। पाकिस्तान को उम्मीद है कि 2027 एशियाई कप क्वालीफायर में 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले निलंबन हटा लिया जाएगा। एएफसी ने पीएफएफ से कहा है कि प्रतिबंध मंगलवार तक समाप्त हो जाना चाहिए, ताकि टीम क्वालीफायर में हिस्सा ले सके।

खास खबर

अनिकेत के नाम पहली हैट्रिक

इन्दौर । सेंट्रल जिमखाना क्लब द्वारा प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन की स्मृति में 30वीं अखिल भारतीय मोयरा गोल्ड कप फुटबाल स्पर्धा में पहली हैट्रिक अनिकेत तरोड़े के नाम रही। उनके तीन गोलों की बदौलत राजमोहल्ला इलेवन ने आनंद इलेवन को 3-0 से पराजित किया। वहीं शहर की सशक्त टीमों में से एक स्पोर्टिंग युनियन को उलटफेर का सामना करना पड़ा। उसे डे बोर्डिंग ने टाईब्रेकर में हराया। वहीं इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब व यंग आदिवासी ने भी रोमांचक जीत दर्ज की। स्पर्धा सयोजक भारत मथुरावाला ने बताया कि नेहरू स्टेडियम मैदान पर मोयरा सरिया, खेल एवं युवक कल्याण विभाग म.प्र. एवं इन्दौर नगर पालिक निगम द्वारा प्रायोजित इस प्रतिष्ठित अ.भा. फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रतिदिन रोचक मुकाबले देखने को मिल रहे है।प्रतियोगिता के पांचवें दिन का सबसे रोचक मुकाबला राजमोहल्ला इलेवन और आनंद इलेवन के मध्य खेला गया, जिसमें हाफ टाइम तक दोनों ही टीमों ने जोरदार खेल दिखाया और कोई गोल नहीं होने दिया।

दिल्ली कैपिटल्स ने पीटरसन को बनाया मेंटर

5 नई दिल्ली । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को मेंटर बनाया है। यह पहली बार होगा जब पीटरसन किसी क्रिकेट टीम के साथ सहायक स्टाफ की भूमिका निभाएंगे। पीटरसन अब डीसी कोचिंग स्टाफ में मुख्य कोच हेमांग बदानी, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल और सहायक कोच मैथ्यू मोट के साथ काम करेंगे। वह पहली बार किसी टीम से जुड़ हैं। इससे पहले व कमेंट्री करते रहे हैं। पीटरसन ने आईपीएल 2012 और 2014 में डीसी की ओर से खेला था। इसमें उन्होंने 305 और 294 रन बनाए थे। उन्होंने 17 मैचों में फ्रेंचाइजी की कप्तानी भी की थी। 200 टी20 खेलने वाले पीटरसन के नाम पर 5,695 रन दर्ज है। उन्होंने आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और पुणे फ्रेंचाइजी के लिए 36 मैच खेलकर साथ 1001 रन बनाये हैं।

जोशुआ चेप्टेगी मैराथन में लेंगे हिस्सा

कंपाला। युगांडा के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी 2 मार्च को टोक्यो मैराथन में अपनी चुनौती पेश करेंगे। 5,000 मीटर और 10,000 मीटर में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके चेप्टेगी इस मैराथन में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। चेप्टेगी ने सिन्हुआ से बातचीत में कहा, मैंने पिछले साल वेलेंसिया मैराथन में पदार्पण किया था और 37वें स्थान पर रहा था। अब मैं बेहतर स्थिति में हूं और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करता हूं। उन्होंने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से गहन प्रशिक्षण में जुटे हुए हैं। चेप्टेगी के साथ युगांडा के स्टीफन किस्सा भी टोक्यो मैराथन में उतरेंगे। किस्सा ने 2022 हैम्बर्ग मैराथन में 2:04:48 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने कहा, ₹मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हूं और इस प्रतियोगिता को लेकर उत्साहित हूं।

गार्डनर के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने आरसीबी को हराया

एजेंसी

बेंगलुरु । कप्तान एश्ले गार्डनर के शानदार अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर गुजरात ने आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी ने 7 विकेट पर 125 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को गुजरात ने 17 ओवरों में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। गुजरात की ओर से गार्डनर ने 58 जबकि लिचफील्ड ने 30 रन बनाए। आरसीबी की ओर से रेणुका ठाकुर और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने 25 रनों पर ही 3 विकेट खो दिए। कप्तान स्मृति मंधाना भी 10 रन ही बना पायीं। वहीं डैनी व्याट केवल 4 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। एलिस पेरी भी शून्य पर ही आउट हो गयीं। इसके बाद राघवी बिष्ट ने 22 और कनिका अहुजा ने 33 रन बनाकर स्कोर 70 रनों के ऊपर पहुंचाया। ऋचा घोष ने 9 रन बनाये। जॉर्जिया वेयरहम ने 20 और किम गार्थ ने 14 रन बनाकर स्कोर किसी प्रकार 125 रनों तक पहुंचाया। वहीं गुजरात की ओर से डिएंड्रा डॉटिन और तनुजा कंवर ने 2-2 खिलाड़ियों को आउट किया। एश्ले गार्डनर और काशवी गौतम को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजराज ने 17वें ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। उसने 66 रनों पर ही तीन विकेट हो दिये। बेथ मूनी 17, दयालन हेमलता 11 और हरलीन देओल 5 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। इसके बाद गार्डनर ने फिर फीब लिचफील्ड के साथ पारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाय। गार्डनर और लिचफील्ड के बीच 51 रन की साझेदारी हुई।

रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

एजेंसी

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है। रोहित अगर आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में कामयाब होते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम पहले ही टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। रोहित ने अब तक एकदिवसीय में 339 छक्के लगाए हैं। अगर वह आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में सफल होते हैं तो वह वनडे में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। वहीं 13 छक्के लगाने से वह शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़कर एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 632 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

एशिया कप में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान में होगा मुकाबला

एजेंसी

मुम्बई । भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें इस साल एक बार फिर सितंबर महीने में एशिया कप में टकरा सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार एशियाई क्रिकेट परिषद (एससीसी) टूनार्मेंट में 19 टी20 मैच खेले जाएंगे। भारत की मेजबानी में होने वाले इसी टूनार्मेंट में दोनो ही टीमों के बीच तीन-तीन टी20 मैच हो सकते हैं। ये मैच किसी तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे हालांकि मैच स्थल की अभी घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि ये दुबई या कोलंबों में हो सकत हैं। इस टूनार्मेंट में 8 टीमें भाग लेंगी। ऐसे में इन टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। जिसमें भारत और पाक की टीमों को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा। ऐसे में ये एक से अधिक बार आमने-सामने आ सकती हैं क्योंकि सभी टीमें आपस में लीग मैच खेलेंगी। फिर हर ग्रुप से शीर्ष-2 टीमें सुपर-4 राउंड में पहुंचेंगी। यहां भी सभी टीमों के बीच एक-एक मैच खेला जाएगा। वहीं सुपर-4 राउंड से शीर्ष-2 टीमों के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा।

विजेंदर ने की बीएफआई चुनाव शीघ्र कराने की मांग

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने कहा है कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव शीघ्र कराये जाने चाहिये। विजेंदर ने ये भी कहा कि अगर अवसर मिला तो वह भी चुनाव लड़ेंगे। बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीतने वाले विजेंदर ने कहा, जब भी चुनाव हों, मैं उनमें खड़ा होना चाहूंगा। मैंने पूरी जिंदगी संघर्ष किया है, यह मेरे लिए एक और लड़ाई होगी। मुझे नहीं पता कि मुझे समर्थन मिलेगा या नहीं, लेकिन मैं चुनाव लड़ने से नहीं डरता। उन्होंने कहा, अगर मुझे बदलाव करने का मौका मिलता है तो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने जा रहा हूं। ऐसा मैं कभी नहीं करूंगा और पेशेवर सर्किट में उतरता रहूंगा।

दानी सेबलोस चोटिल, दो महीने तक मैदान से रह सकते हैं बाहर

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के मिडफील्डर दानी सेबलोस को कोपा डेल रे में रियल सोसिदाद के खिलाफ 1-0 की जीत के दौरान मांसपेशियों में चोट लगी है। क्लब ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की।
मैच के दूसरे हाफ में सेबलोस की टक्कर घरेलू खिलाड़ी टेक कुबो से हुई, जिसके बाद वह दर्द से कराहते हुए मैदान से बाहर चले गए। रियल मैड्रिड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, ₹मेडिकल परीक्षणों में सेमीमेम्ब्रानोसस मांसपेशी में चोट पाई गई है, जो उनके बाएं हैमस्ट्रिंग के टेंडन को प्रभावित कर रही है। उनकी रिकवरी की अवधि का आकलन किया जाएगा। हालांकि क्लब ने ठीक होने की निश्चित समय-सीमा नहीं दी, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेबलोस को कम से कम दो महीने तक बाहर रहना पड़ सकता है। इस चोट के कारण वह चैंपियंस लीग के अंतिम-16 मुकाबले, संभावित क्वार्टर फाइनल, कई ला लीगा मैचों और कोपा डेल रे सेमीफाइनल के रिटर्न लेग से चूक सकते हैं। सेबलोस ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, ₹जिस समय मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में था, उसी समय यह झटका लगना दुखद है। फुटबॉल आसान या निष्पक्ष नहीं है, लेकिन मुझे मजबूती से इसका सामना करना होगा। मैं इससे भी कठिन दौर से वापसी कर चुका हूं।28 वर्षीय सेबलोस, जो पूर्व में रियल बेटिस और आर्सेनल के लिए खेल चुके हैं, हाल के हफ्तों में कार्लो एंसेलोटी की टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। 2017 में क्लब में शामिल होने के बाद से वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे, ऐसे में यह चोट रियल मैड्रिड के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है।

रोहित अब परिपक्व कप्तान बन गए हैं : धवन

एजेंसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। धवन ने कहा कि रोहित अब एक परिपक्व कप्तान बन गए हैं। रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा है कि रोहित को पता है कि दबाव का कैसे सामना करना है। उन्हें पता है कि किसी प्रकार से दबाव बीच आक्रामक और रक्षात्मक रुख के बीच संतुलन बनाना है। रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा कि वह पिछले एक दशक से अधिक समय में हर प्रकार के दौर से गुजरा है। वह जानता है कि दबाव की स्थिति में कैसे काम करना है है। एक नेता के रूप में वह परिपक्व हो गया है। वह जानता है कि कब उदार होना है और कब पीछे हटना है। यह एक अच्छा संतुलन है और लड़कों के साथ रोहित का रिश्ता काफी अच्छा है। धवन ने उस समय को याद किया जब उन्होंने 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार रोहित के साथ पारी की शुरूआत की थी और खुलासा किया कि रोहित को सलामी बल्लेबाज के रूप में बढ़ावा देने का विचार उस समय कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी का था। सलामी जोड़ी का फैसला उस मैच से आधे दिन पहले किया गया था। उस समय मैं भी नया था। मैं वापसी कर चुका था और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत थी। लेकिन धोनी ने यह फैसला लिया और रोहित को पारी शुरू करने को कहा। इसलिए मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मैंने सोचा कि अगर रोहित पारी शुरू करते हैं, तो हम साथ में बल्लेबाजी करने का आनंद लेंगे। धवन ने कहा कि पहले मैच में हमें इतनी अच्छी शुरूआत मिली। हम बिना विकेट खोए 100 रन पर थे। 10वें ओवर तक हमने 30-35 रन नहीं बनाए क्योंकि विकेट सीम कर रहा था।

फखर और अयूब के नहीं होने से हारे : रिजवान

एजेंसी

रावलपिंडी । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की बात स्वीकार करते हुए कहा कि दो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम टूनार्मेंट में अपने दोनो मैच हारकर शुरूआत में ही सेमीफाइल की दौड़ से बाहर हो गयी जिससे कारण टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इसी को लेकर अब रिजवान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सैम अयूब और फखर जमान जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। अयूब और फखर चोटिल होने के कारण पहले ही टूनार्मेंट से बाहर हो गये थे।
अयूब टखने में चोट की वजह से बाहर हो गए थे। वहीं फखर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में चोटिल हुए थे। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी में लीग के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से और दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसका बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा लीग मुकाबल बारिश के हो रद्द हो गया।
रिजवान ने कहा कि हम अपने खराब प्रदर्शन से दुखी हैं क्योंकि हमने अपने प्रशंसकों की उम्मीदें तोड़ी हैं। हम मानते हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया पर वादा करते हैं कि हम और कड़ी मेहनत कर विश्वस्तर पर वापसी करेंगे।
उन्होंने कहा अयूब और फखर के नहीं होने से टीम का संतुलन खराब हो गया। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे जिससे टीम संतुलित थी पर इनके बाहर होने से हालात विपरीत हो गये।

टेनिस को बढ़ावा देने के लिए टीएसटीए और टीपीएल ने की साझेदारी

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना में टेनिस को जमीनी स्तर पर विकसित करने के उद्देश्य से तेलंगाना राज्य टेनिस एसोसिएशन (टीएसटीए) ने टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत रेस टू गोल्ड (आरटीजी) स्कॉलरशिप कार्यक्रम और तेलंगाना राज्य-रैंकिंग टूनार्मेंट आयोजित किए जाएंगे।
टीएसटीए ने टीपीएल की राष्ट्रीय स्तर की आरटीजी पहल को अपनाते हुए, युवा प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के अगले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता को तैयार करना है। गौरतलब है कि भारत ने टेनिस में आखिरी बार 1996 में लिएंडर पेस के माध्यम से ओलंपिक पदक जीता था। इस साझेदारी के तहत पूरे तेलंगाना में युवा खिलाड़ी राज्य-रैंकिंग टूनार्मेंट में भाग लेंगे, जिससे उन्हें महत्वपूर्ण मैच अनुभव और अपनी रैंकिंग सुधारने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर तक शीर्ष रैंक वाले खिलाड़ी ?75,000 के टेनिस उपकरण वाली प्रतिष्ठित आरटीजी छात्रवृत्ति के पात्र होंगे। टीएसटीए और टीपीएल अंडर-10, अंडर-12 और अंडर-14 श्रेणियों में राज्य-रैंकिंग टूनार्मेंट आयोजित करेंगे। ये प्रतियोगिताएं तेलंगाना के विभिन्न शहरों में होंगी, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने में मदद मिलेगी।
टीएसटीए के अध्यक्ष के. आर. रमन ने इस साझेदारी पर कहा, हमारा लक्ष्य टेनिस को तेलंगाना में सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक बनाना और राज्य को वैश्विक टेनिस मानचित्र पर लाना है। टीपीएल के सहयोग से हमें युवा खिलाड़ियों को एक संरचित विकास पथ देने का अवसर मिलेगा, जिससे तेलंगाना की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमक सकेंगी।टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा,टीपीएल ऐप को वास्तविक समय की ट्रैकिंग और संरचित टूनार्मेंट एक्सपोजर के साथ पेशेवर टेनिस के लिए एक सहज मार्ग बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। तेलंगाना इस पहल से जुड़ने वाला पहला दक्षिण भारतीय राज्य संघ बनकर एक नई शुरूआत कर रहा है।
टीपीएल के सह-संस्थापक मृणाल जैन ने जोड़ते हुए कहा,₹यह साझेदारी युवा टेनिस खिलाड़ियों के विकास के लिए टीपीएल और टीएसटीए की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ती है। राज्य-रैंकिंग टूनार्मेंट और आरटीजी कार्यक्रम उभरते खिलाड़ियों को बेहतर एक्सपोजर प्रदान करेंगे और एक मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन तैयार करेंगे।इस सहयोग से तेलंगाना के टेनिस परिदृश्य को नया आयाम मिलने की उम्मीद है, जिससे राज्य के युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित करने का मौका मिलेगा।

दुबई में टेनिस चैम्पियनशिप में खेलते हुए नीदरलैंड के टेलोन ग्रीसपोर।

कटहल की खेती दे भरपूर फायदे

गुरदासपुर के एक किसान ने अपने खेत में कटहल के वृक्ष लगाए। यह वृक्ष लगभग 13 से 15 वर्षों के दरम्यान भरपूर फल देने लगता है। यह फल लगभग 12 रुपये से लेकर 50 रुपये किलो के हिसाब से बिकता है। सब्जी मंडी वाले स्वयं ही फल तोड़कर ले जाते हैं। एक कटहल तीन किलो से लेकर 16 किलो तक हो जाता है। यह वृक्ष बोहड़ या पीपल की भांति विशाल, ऊंचा–चौड़ा होता है।

कटहल को अंग्रेजी में ब्रेड फ्रूट तथा संस्कृत में इसको 'पनस' कहते हैं जिसके अर्थ हैं कटहल या कांटा। कटहल के वृक्ष को फल जड़ से लेकर तनों तथा शाखाओं तक लगता है। एक वृक्ष से क्विंटलों के हिसाब से फल उतरता है तथा कई माह तक रहता है। बेशक कटहल एक फल है। इसका आचार तथा स्वादिष्ट सब्जी बनती है। पक जाने पर यह बीच से मीठा होता है। कटहल की ऊपरी चमड़ी रोएंदार, कील जैसी खड़ी खुरदरी होती है। भारत के पूर्व वाले क्षेत्र तथा बर्मा, बिहार, गोरखपुर में ज्यादा पाया जाता है। दक्षिण भारत का पूर्वी तथा पश्चिमी तट कटहल का असली घर है। पंजाब में भी कटहल की बिजाई कामयाब हो रही है। कटहल में कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन, तेल, रेशे, विटामिन बी, सोडियम, लोहा, फासफोर्स, पोटाशियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं।

कटहल का वृक्ष 40 से 60 फुट ऊंचा हो जाता है। इस वृक्ष को मार्च-अप्रैल के दो माह दो प्रकार के नर तथा मादा अलग-अलग फल पड़ते हैं। इसके नर फल लम्बे तथा मादा गोल होते हैं। इसका फल मई से जुलाई तक सब्जी बनाने के काम आता है। इसके वृक्ष दो प्रकार के होते हैं। एक किस्म के वृक्ष के फल बीज वाले होते हैं तथा दूसरे में बीज नहीं होते। पंजाब में बीज वाले ही वृक्ष कामयाब हैं। यह गर्म क्षेत्र का वृक्ष है और पंजाब का जलवायु इसके लिए बहुत ही अनुकूल है। इस वृक्ष के नीचे लम्बे समय तक पानी खड़ा नहीं होना चाहिए। जून के माह यह वृक्ष फल से गुच्छों के रूप में भरपूर हो जाता है। अधिक पैदावार लेने के लिए दिसंबर-जनवरी के माह में इसकी कांट-छांट कर देनी चाहिए, अगर कांट-छांट न की जाए तो फल कम पड़ता है।

कटहल पौधों की बुआई कटहल के पक्के फल के बीजों से की जाती है तथा बिन बीज वाले पौधों की बुआई बिन बीज वाले कटहल के पौधों की जड़ से नए पौधे लिए जाते हैं। कटहल के बीज वाले फल को बीज पड़ते हैं तथा ऊपर ही पकने वाले फल से बीज निकाल कर बोए जाएं तो भी उगते हैं। फरवरी माह या फिर बरसातों में ही इसके पौधे खेतों में लगाएं।

प्रथम दो-तीन माह इनकी संभाल बहुत अनिवार्य है। एक से दूसरे पौधे की दूरी 40 फुट तक होनी चाहिए। जड़ से पैदा किए पौधे को 5-6 वर्षों बाद ही फल पड़ जाता है परन्तु बीज वाले पौधे को आठ से दस वर्ष बाद ही फल पड़ता है। इसके टूटे हुए फल को अगर खुली हवा में न रखा जाए तो एक सप्ताह में ही यह हल्का होकर पिचक जाएगा। इसकी लकड़ी पीले रंग की होती है तथा बहुत अच्छी किस्म की होती है। इसकी लकड़ी को दीमक नहीं लगता। इसकी लकड़ी से दरवाजे, खिड़कियां तथा फर्नीचर आदि बनता है। पॉलिश करने पर इसका काठ भव्य लगने लगता है। इसके बुरादे से एक प्रकार का पीला रंग बनता है जिससे बर्मा में आज बौद्ध-भिक्षु अपने वस्त्र रंगा करते हैं। इसकी छाल के काढ़े से भी रंग तैयार होता है।

कटहल की खेती अपनायें-खूब लाभ कमायें

कटहल के पौधे दीर्घ जीवी अधिक लाभ देने वाले विटामिन ए, सी तथा खनिज पदार्थो से भरपूर होते है। इनके फलों का उपयोग मुख्य रूप से सब्जी एवं अचार के लिए किया जा सकता है। यदि किसान कटहल का उत्पादन व्यवसाय रूप से करें तो उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। वर्तमान में उद्यानिकी विभाग द्वारा विषेष तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता दी जा रही है। जिसका किसान लाभ ले सकें।

कटहल मध्यप्रदेश के सभी जलवायु क्षेत्रों में उगाया जा सकता है। इसके लिए पानी के निकास वाली गहरी उपजाऊ दोमट भूमि अच्छी रहती है। यह पौध अधिक सर्दी, गर्मी सहन नहीं कर पाता है किन्तु पर्याप्त प्रकाष मिलने पर इसका उत्पादन अच्छा हो जाता है।

कटहल की दो किस्में होती है। कडे गूदे वाली व मुलायम गूदे वाली इसकी जो प्रमुख जातियां है उनमें रूद्राक्षी, सिंगापुर, मुत्तम, वारीखाल व खाजा। रूद्राक्षी के फल छोटे व कांटे वाले होते है इनका वजन 4 से 5 किलो तक होता है। पूर्ण अवस्था प्राप्त वृक्षों से 500 से अधिक फल प्राप्त होते यह सब्जी के लिए उपयुक्त किस्म है। सिंगापुर जाति का वजन 7 से 10 किलो तक होता है गूदा मीठा फुर्रफुरा व पीले रंग का होता है। मुत्तम औसत 7 किलोग्राम तक का फल लगता है। सबसे बडे फल वाली किस्म खाजा है यह इसमें सफेद कोये वाले फल का भार 25 से 30 किलोग्राम तक होता है। इसके कोये पकने पर दूध की भांति सफेद रसदार एवं कोमल होते है।

कटहल का उद्यान लगाने के लिए चयनित स्थान पर रेखांकन कर 10 मीटर कतार से कतार एवं 10 मीटर पौधे की दूरी पर एक मीटर लंबे चौडे एवं गहरे आकार के गड्डों को खोदकर मई के अंतिम सप्ताह या जून के प्रथम सप्ताह में खेत की मिट्टी व गोबर की खाद के मिश्रण के साथ 500 ग्राम सुपर फासफेट, 500 ग्राम पोटास एवं 50 ग्राम ऐलडेग्स च्रूण मिलाकर भर दिये जाते है। वर्षा ऋतु में पौध के रोपण हेतु उपयुक्त समय होता है। पौध रोपण के बाद मिट्टी को अच्छी तरह से दबा देते है और नियमित देखभाल की जाती है। पौधों में संतुलित मात्रा में 1 से 6 वर्ष तक गोबर की खाद एवं उर्वरक की मात्रा दी जाती है। पौधों की सिंचाई हेतु गर्मी में 15 दिन व सर्दी ऋतु में 1 माह में सिंचाई की जाती है। दो तीन वर्ष की उम्र के पौधों की गर्मी के समय 7 दिन व ठंड में 15 दिन में सिंचाई करना ठीक रहता है।

कटहल के वृक्ष में नर एवं मादा फूल आते है। नर पहले व मादा वाद में आते है। नर फूल बाद में झण जाते है। मादा फूल मुख्य तने से लेकर प्रारंभिक तथा सहायक शाखाओं में लगे रहते है। अच्छी फसल के लिए कीट व्याधी उपचार हेतु समय-समय पर दवाओ का छिडकावं जरूरी है। कटहल की उपज औसतन 10 से 15 वर्ष पष्चात् 100 से 250 फल प्रति वृक्ष प्राप्त होते है। फलों का भार 5 से 30 किलोग्राम तक होता है और मार्च से जून तक प्राप्त होते है।

बिना जुताई के बोआई करने वाली मशीन

आज के आधुनिक जहां हर क्षेत्र में नई नई तकनीके आ रही हैं वहीं कृषि क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ाने के लिए हमारे वैज्ञानिक भी लगे हुए हैं और सफल भी हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कम समय और कम लागत में कृषि उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए कई प्रकार के कृषि यंत्रों का निर्माण ही नहीं किया गया बल्कि उनसे कृषि उत्पादन बढ़ाने में कई अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। नए-नए कृषि यंत्रों से जहां किसानों का समय बचा है वहीं उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। भारत के किसानों ने खेती के उत्पादन बढ़ाने के लिए कई तरह के यंत्रों का उपयोग अपनी खेती किसानी के लिए किया है।

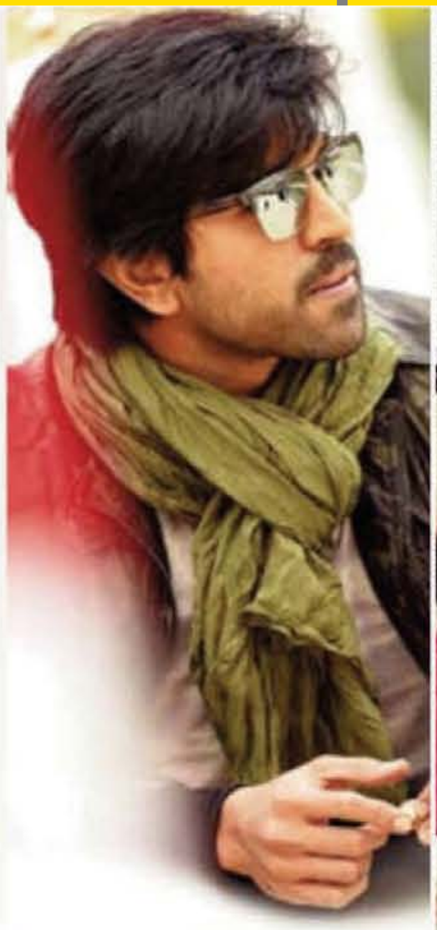

इस खास दिन पर आरसी 16 के शीर्षक से उठेगा पर्दा

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि, अब राम चरण ने अपनी अगली फिल्म पर ध्यान केंद्रित कर लिया है। वह बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म के निर्माण में जुटे हुए हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में चल रही है और टीम जल्द ही तीन सप्ताह के शेड्यूल के लिए दिल्ली जाने वाली है।

इस दिन सामने आएगा फिल्म का शीर्षक फिल्म के शीर्षक का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसा लगता है कि निर्माता अब फिल्म के नाम से पर्दा उठाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के बहुप्रतीक्षित शीर्षक की आधिकारिक घोषणा 27 मार्च, 2025 को की जाएगी। इस दिन राम चरण का जन्मदिन भी है। ऐसे में अभिनेता के जन्मदिन के मौके पर ही फैंस को खास तोहफा मिलेगा।

फिल्म का टीजर भी होगा जारी

खबर है कि शीर्षक के खुलासे के अलावा बुची बाबू सना एक छोटा सा टीजर भी जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है। फिलहाल इस फिल्म का अस्थाई नाम आरसी 16 रखा गया है और कहा जा रहा है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें क्रिकेट मुख्य विषय होगा। जान्हवी-राम चरण की साथ में पहली फिल्म हाल ही में क्रिकेट से जुड़े कुछ मुख्य दृश्यों की शूटिंग एक विशेष रूप से निर्मित स्टेडियम सेट में की गई। इस फिल्म में राम चरण बिल्कुल नए लुक में नजर आएंगे, जिसका संगीत एआर रहमान ने दिया है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर को मुख्य भूमिका में लिया गया है, जो राम चरण के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्माण पुष्पा के बैनर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जा रहा है।

फिल्म के शीर्षक का खुलासा?

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बुची बाबू सना ने फिल्म का टाइटल पेड्डी चुना है, लेकिन अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच राम चरण सार्वजनिक तौर पर कम ही नजर आ रहे हैं, ताकि फिल्म से अभिनेता के लुक का खुलासा न हो। वहीं, अब राम चरण के जन्मदिन के मौके पर ही फिल्म से जुड़ा दिलचस्प अपडेट सामने आने का इंतजार है।

श्रुति हासन ने बताया, कैसे उनकी संगीत यात्रा पर रहा है पिता कमल हासन का प्रभाव

अभिनेत्री श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पिता और एक्टर कमल हासन के साथ एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस पोस्ट में श्रुति ने अपने म्युजिक के प्रति प्यार और अपनी संगीत यात्रा पर अपने पिता कमल हासन के प्रभाव के बारे में बताया। पिता के साथ स्टेज पर बिताए खास पलों का वीडियो शेयर करते हुए श्रुति ने कैप्शन में लिखा, जब से मुझे याद है, मुझे गाना बहुत पसंद है। मेरी मां ने मुझे संगीत सिखाया, लेकिन बचपन से ही मेरे पसंदीदा गायन साथी मेरे अप्पा कमल हसन रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे कमल हासन ने उन्हें मंच पर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया और अब वह मंच को अपना दूसरा घर मानती हैं। श्रुति ने अपने पिता से जीवनभर में सीखे गए महत्वपूर्ण पाठों को याद करते हुए कहा, उन्होंने मुझे सिखाया कि मंच हमारा घर है। हमें निडर रहना चाहिए और अपनी सभी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए। इस दिल को छूने वाले वीडियो में पिता और बेटी के बीच एक प्यार भरे और मजबूत पल को दिखाया गया है, जो उनके बीच संगीत के प्रति साझा प्रेम और उनके संबंध को और भी खास बनाता है। इस बीच, श्रुति हासन महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के मुकाबले के दौरान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में परफॉर्म करेंगी। श्रुति हासन ने कई हिट गाने दिए हैं, जिनमें आजमा (लक) और सिनेमा छुपी मां जैसे मशहूर गाने शामिल हैं। साथ ही हाल ही में

अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित फिल्म कुली का हिट गाना डिस्को भी है। काम की बात करें तो, अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म कुली की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें वह रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक खास डांस नंबर करने के लिए पूजा हेगड़े को चुना गया है। कुली एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म है, जो सोने की तस्करी करने वाले माफिया पर आधारित है। इस फिल्म में नागार्जुन, उपेंद्र, सत्यराज, सौबिन शाहिर, संदीप किशन और रेबा मोनिका जॉन जैसे शानदार कलाकार भी हैं। इसके अलावा, बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान भी कथित तौर पर फिल्म में एक गेस्ट रोल में नजर आएंगे।

फिल्म 'छावा' में दिव्या दत्ता ने सोयराबाई की भूमिका निभाई है। इस भूमिका में उनके अभिनय को काफी सराहा गया है, जबकि फिल्म में उनके हिस्से बहुत अधिक सीस नहीं थे। वहीं फिल्म में रश्मिका मंदाना ने भी येशूबाई की भूमिका की, जो विक्की कौशल के किरदार संभाजी महाराज की पत्नी हैं। इस किरदार में रश्मिका के अभिनय को कुछ दर्शकों ने पसंद नहीं किया है। रश्मिका की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। ऐसे में दिव्या दत्ता ने उन्हें सपोर्ट किया है।

दिव्या ने किया रश्मिका मंदाना को सपोर्ट, 'छावा' में एक्टिंग को लेकर एक्ट्रेस को मिल रही है आलोचना

दिव्या दत्ता ने हाल ही में इंटरव्यू में कहा है कि रश्मिका मंदाना की पिछली फिल्में हिट रही हैं, ऐसे में उनमें कोई तो बात होगी कि दर्शक इस तरह का रेस्पॉन्स देते हैं। वह बताती हैं कि रश्मिका बहुत प्यारी लड़की हैं, उनकी आंखें पर्दे पर मन को मोह लेती हैं। वह एक अच्छी एक्ट्रेस हैं।

अपने किरदार को लेकर क्या सोचती हैं

अपने किरदार के बारे में दिव्या दत्ता बताती हैं कि मैंने फिल्म 'छावा' में सोयराबाई का रोल किया है, इसके लिए दर्शकों की तरफ से सराहना मिली है। साथ ही कुछ लोगों का कहना है कि मेरे किरदार को लंबा होना चाहिए था। लेकिन सबसे अहम बात है कि हमारी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चल रही है।

कई उम्दा कलाकार फिल्म में हैं शामिल

फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना, दिव्या दत्ता के अलावा आशुतोष राणा, प्रदीप राम सिंह रावत, संतोष जुवेकर सिंह, डायना पेंटी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। साथ ही औरंगजेब के रोल में अक्षय खन्ना और कवि कलश के रोल में विनीत कुमार नजर आए हैं। इन सभी कलाकारों को दर्शकों ने काफी सराहा है।

हॉलीवुड डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं प्रनूतन बहल

प्रनूतन बहल, जो दिवंगत एक्ट्रेस नूतन की पोती और मोहनीश बहल की बेटी हैं, जल्द हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह फिल्म कोको & नट में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसमें उनके साथ एक्टर रहसान नूर भी होंगे। यह फिल्म एक रोमांटिक कहानी पर आधारित है और 2025 में रिलीज होगी। प्रनूतन के लिए हॉलीवुड डेब्यू एक बड़ा अवसर है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

अभिनेत्री ने कहा मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है और यह एक पूरी तरह से रोमांटिक फिल्म है। मेरी पहली फिल्म 'नोटबुक' भी रोमांटिक थी, लेकिन उसमें मेरा मेल लीड से उतना इन्वॉल्वमेंट नहीं था। लेकिन इस बार यह पूरी तरह रोमांटिक लव स्टोरी है और मुझे इसे करने का मौका लंबे इंतजार के बाद मिला। 2023 के अंत में, मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया और हमने इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। उम्मीद है कि इस साल फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा ये मेरे लिए सिर्फ 'हॉलीवुड डेब्यू' नहीं, बल्कि एक नए एक्सपीरियंस का मौका है। मेरी सोच हमेशा से सिंपल रही है – कोई भी प्रोजेक्ट करो, उसे पूरे दिल और मेहनत से करो। चाहे हिंदी सिनेमा हो, तेलुगु इंडस्ट्री हो या हॉलीवुड, क्रिएटिव फील्ड में असली पहचान आपकी भाषा से नहीं, आपकी परफॉर्मेंस से बनती है। जब आप सच्चाई और ईमानदारी से कोई किरदार निभाते हैं, तो वो स्क्रीन पर दिखता है। यही सबसे जरुरी चीज है।

जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक बनाएंगे रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी जॉन अब्राहम के साथ अपनी अगली एक्शन फिल्म का निर्देशन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म मुंबई के एक मशहूर पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया के जीवन पर आधारित है। रोहित शेट्टी इस फिल्म को जल्द ही फ्लोर पर ले जाने का विचार कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने काम भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित का लक्ष्य 45-डे स्टार्ट-टू-फिनिश शेड्यूल में फिल्मांकन पूरा करना है, जिसका प्रोडक्शन अगले महीने शुरू होने वाला है। जॉन फिल्म में राकेश मारिया का किरदार निभाएंगे, जिनके करियर की पहचान 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों और 26/11 के आतंकी हमलों जैसे बड़े मामलों से रही है। राकेश मारिया के संस्मरण लेट मी से इट नाउ पर आधारित यह फिल्म एक रोमांचक ड्रामा होगी।

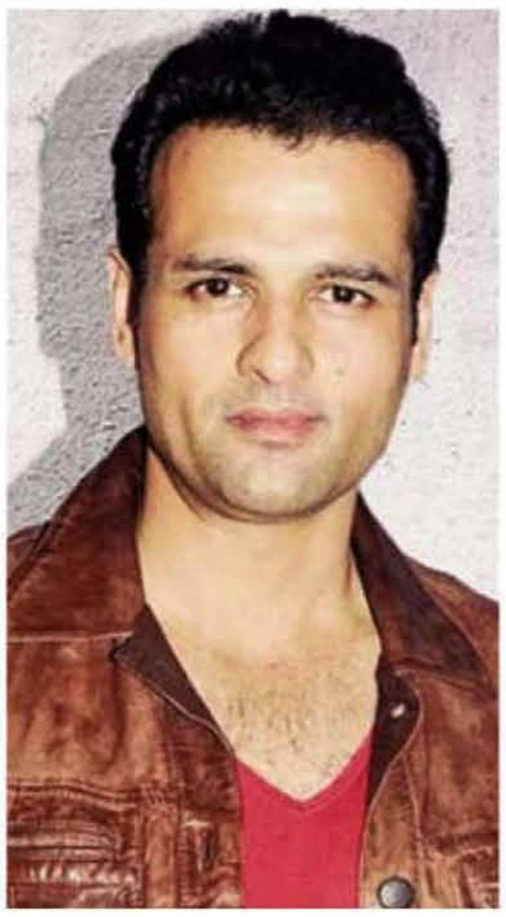

रोहित रॉय ने हिना खान की तारीफ में किया पोस्ट

हिना खान तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। अभिनेत्री का उपचार चल रहा है। हिना अक्सर अपनी हेल्थ को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जानकारी साझा करती नजर आती हैं। इस मुश्किल वक्त का सामना हिना काफी सकारात्मक तरीके से कर रही हैं। एक तरफ वह अपने घूमने-फिरने के शौक को भी पूरा कर रही हैं तो वर्क फ्रंट पर भी एक्टिव हैं। फैंस और इंडस्ट्री के तमाम सितारे हिना की तारीफ करते नजर आते हैं।

हाल ही में रोहित रॉय भी हिना की हिम्मत को सलाम करते दिखे हैं। रोहित रॉय ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने हिना के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इसके साथ लिखा है, यह तारीफ भरा पोस्ट मेरी जानकारी में सबसे मजबूत लड़कियों में से एक के लिए है। वह जंग लड़ रही है और मुझे यकीन है कि वह समय के साथ इसे हरा देगी। लेकिन, इस मुश्किल वक्त में और जब वह लड़ रही है, तब भी उसके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं जाती। तुम्हें और हिम्मत मिले हिना खान।

हिना ने कहा शुक्रिया

रोहित के पोस्ट के पोस्ट पर हिना खान ने कमेंट किया है और उनका आभार जताया है। हिना ने लिखा है, बहुत बहुत शुक्रिया। जिंदगी ने मुझे नींबू दिए, मैंने उनसे करतब दिखाना सीखा। यह सीख मुझे मेरे पिताजी ने दी। आप मुझे अपनी दुआओं में याद रखिए प्लीज।

हिना के लिए फैंस ने की दुआ

रोहित के पोस्ट पर हिना के फैंस के खूब कमेंट आ रहे हैं। यूजर्स अभिनेत्री के जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत दिल वाले लोग ऐसे ही होते हैं, जिंदगी उनकी परीक्षा लेती है। एक यूजर ने लिखा, मुस्कुराना कोई हिना से पूछे। हिना के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल के दिनों में गृहलक्ष्मी शो में देखा गया।

अल्फा की तैयारी करती नजर आई शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। शरवरी वाघ फोटोज में रस्सी से एक्सरसाइज करते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा है जल्द ही अल्फा के लिए जंग की तैयारी। शरवरी जल्द ही अल्फा फिल्म में नजर आने वाले हैं, वह इसकी तैयारी कर रही हैं। शरवरी हाल ही में मुंजया में नजर आई थीं। उनका गानातरस नी आया काफी मशहूर हुआ।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा की यूनिवर्सिटी में नो हेलमेट, नो सीट बेल्ट पर 'नो एंट्री'

नोएडा (चेतना मंच)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए उत्र प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। उप्र में पहले ही नो हेलमेट नो फ्यूल, कार चालकों को सीट बेलट लगाने की अनिवार्यता को परिवहन विभाग द्वारा प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। अब नोएडा और ग्रेटर नोएडा में स्थित विश्वविद्यालयों में भी नो हेलमेट, नो सीट बेल्ट पर नो एंट्री होगी। इस संबंध में गौतमबुद्धनगर के एआरटीओ डा. सियाराम वर्मा ने जनपद के सभी विश्वविद्यालयों को आदेश जारी किया है।

आपको बता दें कि बीते 05 फरवरी 2025 को सर्वोच्च न्यायालय की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने पर जोर दिया गया। वहीं शासनादेश को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त बी एन सिंह के निर्देशन पर जहाँ सभी पेट्रोल पम्प पर नो हेलमेट नो फ्यूल लागू किया गया। अब परिवहन विभाग गौतमबुद्ध नगर के एआरटीओ प्रशासन डॉ0 सियाराम वर्मा द्वारा गौतमबुद्ध नगर के सभी यूनिवर्सिटी को जारी किये गए पत्र में विश्व विद्यालय के कुलपतिओं द्वारा

दुपहिया वाहनों का बिना हेलमेट विद्यालय परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया गया हैं वही चार पहिया वाहन चालक बिना सीट बैल्ट लगाए विश्व विद्यालय परिसर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

एआरटीओ प्रशासन डॉ0 सियाराम वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार सड़क दुर्घटना में कमी लाने के उद्देश्य से सभी पेट्रोल पम्प पर दुपहिया वाहनों को नो हेलमेट नो फ्यूल की पहल शुरू की गई हैं वही गौतमबुद्ध नगर के विश्व विद्यालय जिसमें मुख्य रूप से नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, गलगोटिया यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, शारदा यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, शिवनादर यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा, जे एस एस यूनिवर्सिटी नोएडा, बेनिट यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, जे पी इंस्टिट्यूट एंड इनफार्मेशन टेक्निलोजी नोएडा, सिमोबिओसिस यूनिवर्सिटी व जी एल बजाज यूनिवर्सिटी में परिवहन विभाग द्वारा पत्र जारी किया गया था जिसमें विश्व विद्यालय परिसर में दुपहिया वाहनों की नो हेलमेट व चारपहिया वाहनों को बिना सीट बैल्ट लगाए प्रवेश प्रतिबंधित करने के लिए कहा गया है।

उन्होंने बताया कि इस मुहिम में गौतमबुद्ध नगर की सामाजिक संस्थाओं के साथ साथ फोनरवा, कोनरवा, आरडब्लूए, एनईए, व सरकारी कार्यालयों द्वारा भी जुड़ा गया है।''

ज्योषिचार्य कृष्णा शर्मा को दी महामंडलेश्वर की उपाधि

नोएडा (चेतना मंच)। सनातन परंपरा को आगे बढ़ाने तथा पूजा भक्ति और अध्यात्म से जुड़करसमाज को नेकी की राह पर चलने की प्रेरणा देनेवाली नोएडा की निवासी ज्योतिषाचार्य कृष्णा शर्मा को महामंडलेश्वर की उपाधि दी गयी है। महाशिवरात्रि पर विधि विधान के साथ उन्हें चित्र गुप्त महिला अखाड़े द्वारा महामंडलेश्वर बनाया गया है।

नोएडा के सैक्टर-19 बी ब्लाक की निवासिनी ज्योतिषाचार्य कृष्णा शर्मा (संस्थापिका कृषतारा दिव्य लौ ट्रस्ट) बचपन से ही पूजा भक्ति और अध्यात्म से जुडी रही है। दिल्ली यूनिवर्सिटी से मास्टर की डिग्री प्राप्त की और लॉ की पढ़ाई की, मन का अध्यात्म की तरफ ज्यादा झुकाव होने से अविवाहित जीवन यापन करना अच्छा लगा और 2003 से पूर्णतय सन्यास जीवन धारण कर लिया और अपने ज्योतिष गुरु से ज्योतिष विद्या का ज्ञान लिया। कृष्णा शर्मा ने वर्ष-2008 से अपनी संस्था कृषतारा दिव्य लौ ट्रस्ट का निर्माण किया वह अपनी ज्योतिष और पूजा पाठ की कमाई का दशबंद पैसा अपनी संस्था में लगाने लगी। इस संस्था के माध्यम से इन्होंने धर्म, कर्म, पूजापाठ, और लोगों को नेकी की राह पर चलने के लिए प्रेरणा दी और कई जरूरतमंद गरीब व असहाय परिवारों की सहारा बनी। इन्होंने गरीब कन्याओं का विवाह भी कराया एवं बच्चियों के प्रति हमेशा जागरूकता का कार्य किया।

कृष्णा शर्मा की उपलब्धियों को देखते हुए कई बार उनको महामण्डलेश्वर की उपाधि का प्रस्ताव आया लेकिन अब जाकर उन्होंने चित्रगुप्त महिला अखाड़े की और विश्व की पहली जगतगुरु श्री श्री 1008 अंनत विभूषित जगतगुरु दुर्गाचार्य साध्वी कंचन जी महाराज जी के द्वारा पटका अभिषेक कराकर आचार्य महामंडेलेश्वर की उपाधि प्राप्त की। अब उनका पटका अभिषेक के बाद नया नाम श्री श्री 1008 अनंत विभुषित आचार्य महामण्डलेश्वर शिवाचार्य साध्वी कृष्णा श्री जी हो गया है।

कृष्णा शर्मा को इस उपाधि से नवाजे जाने से नोएडावासियों में हर्ष है। शहरवासियों ने चित्रगुप्त महिला अखाड़े का आभार प्रकट करते कहा कि यह गौरव नोएडा की एक साधारण महिला को दिया है जो अब महामंडलेश्वर की उपाधि से समाज, देश व प्रदेश में अपनी ख्याति प्राप्त करेंगी और महिलाओं को सशक्त करने में अपनी बड़ी भूमिका निभायेगी।

सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे पूर्व सैनिक : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण

कराने एवं शासन द्वारा सैनिकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं का पात्र सैनिकों तक शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुना एवं समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में पूर्व सैनिकों ने जिलाधिकारी को भूमि विकास, ग्राम की सड़कों की मरम्मत, जलभराव की समस्या, पुलिस, बैंक से ऋृण, पेंशन, शिक्षा, आर्थिक अनुदान, रोजगार, स्वास्थ सेवाओं सम्बन्धी समस्या तथा अन्य समस्याओं से अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा सैनिकों के हितार्थ जो जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है, उनका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करते हुए पात्र सैनिकों तक शत प्रतिशत लाभ पहुंचाएं ताकि योजनाओं से पूर्व सैनिक वंचित न रह जाएं। बैठक में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कर्नल कपिल कत्याल(अ0प्रा0), मेजर जनरल डीके सेन (अ0प्रा0) व सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों एवं पूर्व सैनिक कल्याण समिति के पदाधिकारियों व पूर्व सैनिकों के द्वारा हिस्सा लिया गया।

आईआईए नोएडा चैप्टर बिल्ड भारत एक्सपो की तैयारी में जुटा

नोएडा (चेतना मंच)। आईआईए नोएडा चैप्टर की आठवीं कार्यकारिणी समिति

की बैठक का आयोजन शुभम फैब्रिक सेक्टर-57 नोएडा में किया गया। बैठक का संचालन चैप्टर चैयरमेन नवीन गुप्ता ने किया तथा पिछले माह की आईआईए नोएडा चैप्टर की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

नोयडा चैप्टर के चैयरमेन नवीन गुप्ता और सचिव साहिल कुमार ने आगमी 8 मार्च को होने वाली होली पार्टी सदस्यता दर पर प्रस्ताव रखा जिसमें सभी सदस्य एक मत से राजी हो गए।

उपाध्यक्ष निर्मल कांत गोयल ने आईआईए द्वारा 19 से 21 मार्च 2025 तक भारत मंडपम नई दिल्ली में बिल्ड भारत एक्सपो 2025 पर भी चर्चा की गई और सभी कार्यकारिणी समिति ने सहयेग करने की बात कही।

बैठक में चैयरमेन नवीन गुप्ता, सचिव साहिल कुमार, उपाध्यक्ष निर्मल कांत गोयल, सीईसी मनीष गुप्ता, सलाहकार अशीष मल्होत्रा, कुलदीप गोयल, अंकित गुप्ता, अशुतोष चौहान, विनीत गोयल, गुरमित सिंह, मोहित शर्मा, शशीराज, श्रीमती सुनीता प्रधान, अंकित मेहरा, विकास, प्रदीप, वरुण गंभीर, एम के अग्रवाल, अंकित जैन, राहुल जैन सहित अन्य उद्यमी सदस्य उपस्थित रहे।

'स्वच्छ ऊर्जा, जलसंकट, खाद और पोषण सुरक्षा भविष्य की बड़ी चुनौतियां'

एमिटी में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन के सम्मान में और भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का थीम ''विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'' है।

कार्यक्रम का शुभारंभ पर भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष (इंटरनेशनल अफेयरस) के डा एन के मेहरा ने कहा कि अगले पचास वर्षों में मानव जीवन को स्वच्छ ऊर्जा, जल, खाद्य और पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण, जनसंख्या और कई अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। शोध शिक्षा को मजबूत करना, नवाचार और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करना, कौशल अंतर को पाटना, स्थिरता और

समावेशिता पर मजबूत ध्यान और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देना कुछ ऐसे तरीके हैं जिनसे भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन सकता है।

भारत सरकार के इलेक्ट्रानिक्स ओर सूचना मंत्रालय के राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र की उप महानिदेशक डा सीमा खन्ना ने कहा कि छात्रों को जीवन में जो कुछ भी करना है, उसके प्रति जुनूनी होना चाहिए और उसमें अपना दिल और आत्मा लगा देना चाहिए। युवा शक्ति परिवर्तन का एजेंट और लाभार्थी है और छात्र बेहद भाग्यशाली हैं कि वे एक ऐसी दुनिया देख रहे हैं जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारी प्रगति के साथ तेजी से विकसित हो रही है।

डीआरडीओ के एसएसपीएल के वैज्ञानिक डा शीतल गर्ग ने कहा कि विज्ञान हमें जलवायु परिवर्तन, गरीबी और असमानता जैसी जटिल चुनौतियों को समझने और उनका समाधान करने तथा वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने में मदद करता है। ज्ञान प्राप्त करने से एक विचार विकसित होता है जो नवाचार का रूप ले लेता है।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर साल 28 फरवरी को भारतीय वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन द्वारा फोटॉन के बिखराव की घटना की खोज को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है, जिसे बाद में रमन प्रभाव के रूप में जाना जाता है। एमिटी यूनिवर्सिटी अनुसंधान और नवाचार पर जोर देती है और विज्ञान के बिना कोई नवाचार नहीं हो सकता है।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™

ISO 9001:2008

PROPERTIES AVAILABLEFORSALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL				
S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, Pl-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot
COMMERCIAL				
S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077

Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1 Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

शहीद कैप्टन शशि कांत शर्मा का जन्मदिन जरुरतमंद बच्चों के बीच मनाया

नोएडा (चेतना मंच)। शहीद कैप्टन शशि कांत शर्मा का 52 जन्मदिन हर साल की

तरह, गरीब बच्चों तथा वृद्धों के बीच मनाया गया। देश के इस महान योद्धा के 52 वे जन्मदिवस पर शहीद के पिता फ्लाईट लेफ्टिनेंट जे पी शर्मा, माता श्रीमती सुदेश शर्मा, छोटे भाई डॉ नरेश शर्मा वा छोटे भाई की पत्नी डॉ संगीता शर्मा ने याद किया।

शहीद के परिवार ने सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-37 जाकर पूजा अर्चना की। तत्पश्चात सैक्टर-41 स्थित साई बाल संस्कार स्कूल के करीब 200 बच्चों ने पूजा वा गायत्री मंत्र के बाद शहीद कैप्टन शशिं कांत शर्मा को पुष्प अर्पित की। सभी बच्चों को छाता और खाने के पैकेट बंटे गए। उसके उपरांत आनंद निकेतन वृद्ध आश्रम सेक्टर-55 मे सभी सहवासियो द्वारा सुंदरकांड पाठ व देश भक्ति गीत गाकर शहीद को श्रदाजली दी गई। दोपहर का भोजन शहीद परिवार की तरफ से करवाया गया।

उसके बाद सेक्टर 12 में बाल कुटिर अनाथालय के सभी 60 बच्चों को छाता और भोजन के पैकेट दिए गए। उनके द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। शाम को शहीद की याद मै लग गए पेड़ो को पानी दे कर सिंचित किया

नोएडा प्राधिकरण पहुंची सीबीआई की टीम, स्पोर्टस सिटी पर दागे सवाल

नोएडा (चेतना मंच)। स्पोर्टस सिटी की जांच को लेकर शुक्रवार को जांच एजेंसी सीबीआई नोएडा प्राधिकरण पहुंची। इस दौरान सीबीआई ने स्पोर्टस सिटी से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को लेकर शीर्ष अधिकारियों से बातचीत की और सवाल किए। हालांकि अब तक किसी फाइल को ले जाने की बात सामने नहीं आई है। सीबीआई के आने से बाद से नोएडा प्राधिकरण में चर्चा का बाजार गर्म हो गया है।

सीबीआई दोपहर बाद प्राधिकरण पहुंची। हालांकि जो टीम वहां आई थी उसके पास जांच संबंधित कोई औपाचारिक दस्तावेज नहीं था। ऐसे में शीर्ष अधिकारियों से बातचीत और स्पोर्टस सिटी पर जानकारी लेकर वे चले गए। हालांकि इंगित करके गए कि सोमवार को कागजों के साथ दोबारा से टीम प्राधिकरण आएगी। उस दौरान फाइलों से संबंधित जांच प ?ताल और सवाल जवाब किए जा सकते है।

बता दे इलाहाबाद हाइकोर्ट ने स्पोर्टस सिटी के मामले में 18 फैसले सुनाए थे। जिसमें स्पोर्टस सिटी को लेकर कई फैसलों में सीबीआई और ईडी की जांच के आदेश दिए है। इस सिलसिले में सीबीआई की टीम नोएडा प्राधिकरण पहुंची थी।

स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के लिए बिल्डरों को सस्ते रेट पर जमीन दी गई थी। इसका मकसद था कि खेल सुविधाएं अधिक से अधिक विकसित की जाएंगी। इस परियोजना के लिए आवंटित कुल जमीन में से 70 प्रतिशत हिस्से में खेल सुविधाएं, 28 प्रतिशत पर ग्रुप हाउसिंग और दो प्रतिशत हिस्से में व्यावसायिक संपत्ति को बनाया जाना था। बिल्डरों ने प्राधिकरण अधिकारियों से साठगांठ कर परियोजनाओं के अधिक हिस्से में खेल सुविधाओं के बजाए मुनाफे के लिए फ्लैट बना दिए। इससे परियोजना का पूरा स्वरूप बिगड़ गया।

सेक्टर-18 में आईफोन 16 ई की हुई लॉचिंग

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-18 साबित्री मार्केट में आईफोन कंपनी ने अपना

एक नया मोबाइल फ़ोन आईफोन 16इ जनता को समर्पित किया है।

आईफोन 16इ मोबाइल फोन कम बजट का बेहतरीन फ़ॉर्म में पेश किया गया है। इस फ़ोन का बैटरी बैकअप लगभग 26 घंटे तक है। इस फ़ोन में इस्तेमाल की गई नई तकनीकी जो इस फ़ोन को और भी बेहतरीन बनाती है। बजट की बात करें तो इस मोबाइल फ़ोन शुरुआती क़ीमत लगभग 60, हज़ार रूपये कंपनी द्वारा तय की गई है। इस फ़ोन पर कंपनी ने कई तरह के डिस्काउंट ऑफ़र भी मोबाइल फ़ोन ख़रीदने वाले ग्राहकों के लिए दिए हैं। यह मोबाइल फ़ोन कंपनी द्वारा सफ़ेद और काले रंग में लॉन्च किया है।

मोबाइल गुप्ता कुलदीप गुप्ता तथा मोबाइल फ़ोन विक्रेता अशोक कुमार ने बताया कि कंपनी द्वारा जारी किया गया है यह मोबाइल फ़ोन लोगों को बोहोत पसंद आ रहा है इस मोबाइल फ़ोन की क़ीमत कम होने के कारण लोग इसकी तरफ़ आकर्षित होंगे। वहीं बैट्री बैकअप बेहतरीन है और नई तकनीक 18 इस फ़ोन में दी गई है।।

सिल्वरसिटी एपार्टमेंट के आरडब्ल्यूए चुनाव सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। सिल्वरसिटी एपार्टमेंट सैक्टर-93 के चुनाव का नतीजा

चुनाव अधिकारी संदीप सहगल, सचिन शर्मा एवम अमित गुप्ता ने घोषित किया। एक बार फिर से उमाशंकर शर्मा एवम उनकी टीम के सभी 9 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए है।

नव निर्वाचित सदस्य उमाशंकर शर्मा, मुकेश वर्मा, आशीष सिंघल, अमित अग्रवाल, राहुल गर्ग, प्रशांत चौहान, मनी कांत, श्रीमती प्रतिभा त्यागी, श्रीमती भारती बालाजी की टीम चुनाव जीती।